

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 31, 1976 (श्रावण 9, 1898)
No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 31, 1976 (SRAVANA 9, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 5 29	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 2035 2611
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1239	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधि-सूचित विधिक नियम और आदेश	295
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	6557
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	10 29	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	641
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधि-सूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1605
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी		भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	119

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 529	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE 2034
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1239	PART II—SECTION 3.—Sub. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	2611
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	295
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	1029	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	6557
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta ..	641
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners.	—
PART II—SECTION 3.—Sub. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1605
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	119

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

मंत्रिमंडल सचिवालय

मंत्रिमंडल कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1976

संकल्प

सं० 26/1/76 आ० सं०—राष्ट्रपति ने इलेक्ट्रानिक्स आयोग के गठन संबंधी भारत सरकार, मंत्रिमंडल कार्य विभाग के 1 परवरी, 1971 के संकल्प सं० 26/7/70-अ० सं० में निम्नलिखित संशोधन करने का निर्णय लिया है :—

(1) पैरा 8—वर्तमान पैरे के स्थान पर निम्नलिखित को रखा जाए—

“8 वित्त सदस्य—

वित्तसदस्य इलेक्ट्रानिक्स विभाग से संबद्ध वित्तीय मामलों में, विभाग को पहले से प्रदत्त अथवा प्रत्यायोजित या भविष्य में प्रदत्त अथवा प्रत्यायोजित की गई शक्तियों को छोड़कर, भारत सरकार की शक्तियों का प्रयोग करेगा।”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों तथा सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प जन-साधारण की सूचनाएँ भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

जे० एस० मोंगिया, संयुक्त सचिव
मंत्रिमंडल

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० 12/6/76-के० से०-II—आशुलिपिक ग्रेड III परीक्षा, 1976 के नियमों के नियम 4 में, जो मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) की दिनांक 29 मई 1976 की अधिसूचना संख्या 12/6/76-के० से०-II में भारत के राजपत्र भाग I खण्ड 1 में प्रकाशित हुए थे, निम्नलिखित संशोधन किया जाए :—

(i) मद (ख)—“सिक्कम की प्रजा,” को हटा दिया जाए और (ग) से (च) की मदों की संख्या बढ़ाकर (ख) से (ड) कर दी जाए।

(ii) परन्तुक में “वर्ग (ग), (घ), (ङ) तथा (च)” शब्दों और अक्षरों के स्थान पर “वर्ग (ख), (ग), (घ) तथा (ङ)” शब्द तथा अक्षर रखे जाएंगे।

(iii) उक्त परन्तुक के बाद, आने वाले पैराग्राफ के खण्ड (iii) में “वर्ग (च)” शब्द और अक्षर के स्थान पर “वर्ग (ङ)” शब्द और अक्षर रखे जाएंगे।

के० बी० नायर, अवर सचिव

नई दिल्ली-110001, दिनांक 31 जुलाई 1976

नियम

सं० 11013/2/76-आई० ई० एस०—निम्नलिखित सेवाओं में ग्रेड IV की रिक्तियों को भरने के लिये 1977 में संघ लोक सेवा द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिये प्रकाशित किये जा रहे हैं :—

(i) भारतीय अर्थ सेवा, और

(ii) भारतीय सांख्यिकीय सेवा

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग के द्वारा निकाली गई सूचना में किया जायेगा। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जायेगा।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों से अभि-प्राय निम्नांकित में उल्लिखित जातियाँ/आदिम जातियों में से किसी एक से है, अर्थात् संविधान (अनुसूचित जातियों) आदेश 1950 संविधान (आदिम जातियों) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) संघ राज्य क्षेत्र आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति) संघ राज्य क्षेत्र आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति सूचियाँ संशोधन) आदेश, 1956 बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित आदेश 1956 संविधान (अंशमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जातियों आदेश, 1959 संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962 संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित आदिम जातियाँ आदेश 1962 संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ आदेश,

1964 संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जातियाँ, 1968 संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित आदिम जातियाँ आदेश, 1968 और संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जातियाँ आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा नियमों के परिशिष्ट I में निहित रीति से लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा नियत किये जायेंगे उम्मीदवार को या तो :—

4. (क) भारत का नागरिक होना चाहिये, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसा सिक्खनी शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो या
- (ङ) मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रिका के केनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया अथवा जाम्बिया मलावी, जैरे, इथोपिया देशों से आया हो। परन्तु ऊपर की (ख), (ग), (घ) और (ङ) कोटियों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पात्रता (एलि-जिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिये पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो और उस सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिये जाने की शर्तों के साथ अंतिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार के लिये आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1977 को 21 वर्ष की पूरी हो गई हो किन्तु 26 वर्ष की न हुई हो, आदि अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1951 से पहले और 1 जनवरी, 1956 के बाद न हुआ हो।

(ख) ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जा सकती है :—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जातियाँ अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष,
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जातियों का हो और वह 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर, भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक 3 वर्ष,

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही अक्टूबर, 1964 से भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,

(vi) यदि उम्मीदवार गोवा, दमन व दीव, संघ राज्य क्षेत्र का निवासी हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(vii) यदि उम्मीदवार कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) में आया मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष,

(viii) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर, भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(ix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को या उसके बाद, बर्मा से, प्रत्यावर्तित होकर, भारत आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(x) यदि उम्मीदवार रक्षा सेवाओं में किसी बाह्य देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक कार्यवाही के समय विकलांग होकर निर्मुक्त हुआ सैनिक हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष,

(xi) यदि उम्मीदवार रक्षा सेवाओं में किसी बाह्य देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक कार्यवाही के समय विकलांग होकर निर्मुक्त हुआ सैनिक हो और अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(xii) भारत संघर्ष, 1971 के दौरान हमलों में विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कामियों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष और

(xiii) भारत-पाक संघर्ष, 1971 के दौरान हमलों में विकलांग हुए तथा उसके परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कामियों के जो अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के हों, के मामले में अधिकतम आठ वर्ष।

उपर्युक्त परिस्थितियों को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जायेगी।

(6) भारतीय अर्थ सेवा के लिए उम्मीदवार के पास भारत में केन्द्रीय अथवा किसी राज्य विधानमण्डल के अधिनियम द्वारा निगमित विश्वविद्यालय अथवा समद या किसी अधिनियम द्वारा स्थापित अन्य शैक्षिक संस्थापन अथवा किसी ऐसे विश्वविद्यालय से जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के समान घोषित किया गया हो अर्थशास्त्र या सांख्यिकीय विषय सहित उपाधि हानी चाहिए और भारतीय सांख्यिकीय सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास सांख्यिकीय या गणित या अर्थ शास्त्र विषय सहित उपाधि अथवा उसके समकक्ष अर्हता होनी चाहिए।

2-टिप्पणी (1) यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण करने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है किन्तु अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में यह उस परीक्षा में बैठने के लिये आवेदन करना है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हता परीक्षा (जवालीपाठ्य एग्जामिनेशन) में प्रवेश चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उस परीक्षा में बैठने दिया जायेगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अन्तिम मानी जायेगी और यदि वे अर्हता परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 30 अप्रैल, 1977 के पश्चात् प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी (2) विशेष परिस्थितियों में सच लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश का पात्र माना जा सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई भी अर्हता नहीं बणती कि उस उम्मीदवार ने अन्य समस्याओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षा पास की हो जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

टिप्पणी (3) यदि कोई उम्मीदवार अथवा परीक्षा में प्रवेश का पात्र हो किन्तु उसने ऐसा विदेशी विश्वविद्यालय में उपाधि ली हो तो वह भी आयोग को आवेदन करना चाहता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

7 उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पारिशिष्ट-1 में निर्धारित शुल्क अवश्य देना होगा। जो उम्मीदवार अस्थायी या अस्थायी रूप में पहले से ही सरकारी सेवा करता है, या वरज चार्ज्ड कर्मचारी हो, किन्तु अनियत न हो अथवा दिहाड़ पर नब्बा हुआ न हो, उसे अपने आवेदन पत्र विभाग-अध्यापक या संबंधित कार्यालय के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिये जो उसे आयोग को भेजने से पूर्व आवेदन पत्र के आखिर में पृष्ठान्त की पूर्ति। उम्मीदवारों को अपने हित में अपने आवेदन पत्रों को अग्रिम

प्रतियां संघे आयोग को भेज देनी चाहिये। यदि इन्हें निर्धारित शुल्क के साथ भेजा जाए तो उन पर अन्तिम रूप से विचार किया जाएगा, किन्तु मन आवेदन पत्र सामान्यतः अन्तिम तारीख के बाद एक पक्ष के भीतर पहुंच जाना चाहिये। यदि कोई व्यक्ति सरकारी सेवा में हो और अपने आवेदन पत्र की अग्रिम प्रति निर्धारित शुल्क के सहित न भेजे और यदि उसके द्वारा भेजी गई अग्रिम प्रति अन्तिम तारीख को अथवा उसके पहले आयोग के कार्यालय में न पहुंचे तो उसके विभाग-अध्यक्ष अथवा कार्यालय के माध्यम से भेजा गया आवेदन पत्र यदि आयोग के कार्यालय में अन्तिम तारीख के बाद प्राप्त हो तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

9 परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार को पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10 किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा, जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

11 यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं जिन में तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पान के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यवस्थित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर अपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे —

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में, जिसका उम्मीदवार है, बैठने के लिए आयोज्य ठहरा जा सकता है अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए (i) आयोग द्वारा की जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके किसी भी लोक सेवा में पारित किया जा रहा है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हता अंक (स्वालीफाईंग मार्क्स) प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निर्धारित करें, तो उसे आयोग मौखिक परीक्षा के लिये बुलाएगा। परन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग की यह राय हो कि अनुसूचित जातियों/अनुचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य मानक के आधार पर मौखिक परीक्षा के लिए इन जातियों के पर्याप्त संख्या में उम्मीदवारों के बुलाए जाने की सम्भावना नहीं है, तो आयोग द्वारा मानकों में छूट देकर मौखिक परीक्षा के लिए इन जातियों के उम्मीदवारों को बुलाया जा सकता है।

13. परीक्षा के बाद आयोग उम्मीदवारों के द्वारा अन्तिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा नियुक्तियों के लिये सिफारिश करेगा। ये नियुक्ति उतनी अनारक्षित रिक्तियों पर की जाएगी, जितनी का निर्णय परीक्षा के परिणाम के आधार पर किया जाएगा।

लेकिन शर्त यह है कि यदि स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिये आरक्षित पद नहीं भरे जा सकते तो आरक्षित कोटे को पूरा करने के लिये, स्तर में छूट देकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों को नियुक्त करने के लिये, सेवा के लिये योग्य होने पर, परीक्षा की योग्यता सूची में उनकी श्रेणी को ध्यान में रखे बिना ही आयोग द्वारा सिफारिश की जा सकती है।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किम रूप में और किस प्रकार दी जाय, उसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षा-फल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिये प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ रहा हो, तो उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन पत्र देते समय व्यक्त किए गए अधिमान क्रम (प्रेफरेंस) के अनुसार उस पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकारी तब क नहीं मिलेगा जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट हो जाये कि उम्मीदवार के चरित्र तथा पूर्ववृत्त को ध्यान में, ते हुए वह सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ हो चाहिये और उसमें कोई ऐमा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिये से वह संबंधित सेवा में अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य श्रमता पूर्व न निभा सके। यदि सरकार या सक्षम प्राधिकारी निर्धारित शारीरिक परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के में यह ज्ञात हो कि यह आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता

है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। आयोग द्वारा मौखिक परीक्षा के लिये बुलाये गये किसी भी उम्मीदवार से शारीरिक परीक्षा की जांच करवाने की अपेक्षा की जा सकती है।

नोट :—बाद में निराश न होना पड़े इस लिये उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की डाक्टरी जांच होगी और उसके लिये स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिये, ऐसे व्योरे इन नियमों के परिशिष्ट-iii में दिये गये हैं। रक्षा सेवाओं में विक्लांग हुए भूतपूर्व सैनिकों तथा 1971 के भारत तथा पाकिस्तान के संघर्ष के दौरान विक्लांग हुए तथा विक्लांग होने के फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा दल से सैनिकों की सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

18. (क) जिसने ऐसी महिला/ऐसे पुरुष से विवाह करने का करार दिया हो अथवा विवाह कर लिया हो जिसका पति/जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने जीवित पत्नी/पति के होते हुए किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाह करने का करार किया है अथवा विवाह कर लिया है वह उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा/होगी।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसा विवाह उस व्यक्ति पर अथवा जिससे विवाह किया गया हो उस पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अधीन अनुज्ञप्त है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो ऐसे व्यक्ति को ऐसे कानून से छूट दे सकती है।

19. वह परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं के लिये भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त व्योरा परिशिष्ट II में दिया गया है।

बी० एल० मथुरिया, अव्वर सचिव

परिशिष्ट—1

खण्ड—1

लिखित परीक्षा की रूपरेखा

भारतीय अर्थ सेवा और भारतीय सांख्यिकीय सेवा की परीक्षा के विषय :—

(क) लिखित परीक्षा :—

(i) निम्नलिखित खण्ड-2 के उपखण्ड क्रमशः (क) (ख) और (ख) (घ) में दिये गये अनिवार्य विषय जिनके अधिकतम अंक 700 होंगे।

(ii) निम्नलिखित खण्ड 2 के उपखण्ड क्रमशः (क) (ख) और (ख) (ख) में दिये गये ऐच्छिक विषयों में से चुने गये विषय।

प्रत्येक सेवा के उम्मीदवार उन उपखण्डों के उपबन्धों के अधीन 400 अंक तक के ऐच्छिक विषय ले सकते हैं।

(II) मौखिक परीक्षा:—[इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग (घ) को देखिये] उन उम्मीदवारों के लिये अधिकतम 250 अंक होंगे जिनको आयोग बुलाएगा।

खण्ड—II

परीक्षा के विषय

(क) भारतीय अर्थ सेवा

(क) अनिवार्य विषय देखिये ऊपर खण्ड 1 का उपखण्ड

(क) का खण्ड (I)।

	पूर्णांक
(1) सामान्य अंग्रेजी	150
(2) सामान्य-ज्ञान	150
(3) अर्थशास्त्र-1	200
(4) अर्थशास्त्र-2	200

(ख) ऐच्छिक विषय (देखिये ऊपर खण्ड-1

के उपखण्ड (i) (ii)

	को संख्या	पूर्णांक
सांख्यिकी I	03	200
सांख्यिकी II	04	200
तुलनात्मक आर्थिक विकास	05	200
तथा सार्वजनिक वित्त	06	200
ग्राम अर्थशास्त्र तथा सहकारिता	07	200
अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र	08	200
गणितीय अर्थशास्त्र तथा ज्यामिति	09	200
नमूना सर्वेक्षण	10	200
औद्योगिक अर्थशास्त्र	11	200
व्यापार के सिद्धांत और व्यवहार	12	200
व्यवसाय वित्त तथा लब्धा	13	200
व्यवसाय प्रबंध तथा वाणिज्यिक विधि	14	200

(08) शर्त यह है कि किसी उम्मीदवार को अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र और व्यापार के सिद्धांत तथा अभ्यास (12) दोनों विषय चुनने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

इस विषय में निम्नलिखित पांच शाखाओं में से प्रत्येक पर भिन्न भिन्न प्रश्न पत्र होंगे, अर्थात् (i) औद्योगिक सांख्यिकी (ii) सांख्यिकीय गुण नियंत्रण सहित (iii) आर्थिक सांख्यिकी (iv) शैक्षिक सांख्यिकी (मनोमिति सहित) (v) जनन सांख्यिकी तथा (v) जनविद्या और जन्म-मरण सांख्यिकी। इनमें से उम्मीदवार को किन्हीं दो का चुनाव करना है। प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिये अधिकतम अंक 100 होंगे।

(ख) भारतीय सांख्यिकी सेवा

(क) अनिवार्य विषय [ऊपर खण्ड-1 के उपखण्ड (क) के उपखण्ड (1) को देखिये]।

	पूर्णांक
(1) सामान्य अंग्रेजी	150
(2) सामान्य ज्ञान	150
(3) सांख्यिकी-1	200
(4) सांख्यिकी-2	200

(ख) ऐच्छिक विषय [ऊपर खण्ड 1 उप खण्ड (i) (ii) को देखिये]।

	कोड संख्या	पूर्णांक
सांख्यिकीय-I	01	200
सांख्यिकीय-II	02	200
तुलनात्मक आर्थिक विकास	05	200
गणितीय अर्थशास्त्र तथा अर्थमिति	09	200
नमूना सर्वेक्षण	10	200
उच्च संभावित तथा यादृच्छिक प्रक्रियाएं	15	200
सांख्यिकीय अनुमति	16	200
प्रयोग-अधिकल्पना	17	200
शुद्ध गणित-I	18	200
शुद्ध गणित-II	19	200
शुद्ध गणित-III	20	200
प्रभुक्त गणित	21	200

इस विषय में निम्नलिखित पांच शाखाओं में से प्रत्येक पर भिन्न-भिन्न प्रश्न पत्र होंगे, अर्थात् (i) औद्योगिक सांख्यिकीय सांख्यिकीय गुण नियंत्रण सहित (ii) आर्थिक सांख्यिकी (iii) शैक्षिक सांख्यिकीय (मनोमिति सहित) (iv) जनन सांख्यिकी तथा (v) जन विद्या और जन्म-मरण सांख्यिकीय इनमें से उम्मीदवार को किन्हीं दो का चुनाव करना है। प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिये अधिकतम 100 अंक होंगे।

नोट:—इस खण्ड में दिये हुए विषयों का पाठ्य विवरण और स्तर इस परिशिष्ट अनुसूचि के भाग (क) में दिया गया है।

खण्ड-III

सामान्य

1. सभी प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही होंगे।
2. सांख्यिकी-II को छोड़कर उपर्युक्त खण्ड-II में दिए गए प्रत्येक विषय के प्रश्न पत्र के लिए 3 घंटे का समय दिया जाएगा। सांख्यिकी II में इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग (क) पर इस विषय के नीचे दिए गए नोट के अनुसार डेढ़-डेढ़ घंटे के पांच प्रश्न पत्र होंगे।
3. उम्मीदवारों को प्रश्नों का उत्तर अपने हाथ से लिखना होगा। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

4. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक (क्वालिफाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है।

5. भारतीय अर्थ सेवा के लिए केवल उन्हीं उम्मीदवारों के दो ऐच्छिक प्रश्न पत्रों तथा निम्नलिखित अनिवार्य विषयों, अर्थात् सामान्य अंग्रेजी तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों को जांचा और अंकित किया जाएगा जो लिखित परीक्षा के अर्थशास्त्र-I और अर्थशास्त्र-II विषयों में एक निश्चित न्यूनतम स्तर प्राप्त करेंगे, जैसा कि आयोग द्वारा अपने निर्णय से निर्धारित किया जाएगा।

भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए केवल उन्हीं उम्मीदवारों के दो ऐच्छिक प्रश्न पत्रों तथा निम्नलिखित अनिवार्य विषयों, अर्थात् सामान्य अंग्रेजी तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों को जांचा और अंकित किया जायेगा जो लिखित परीक्षा के सांख्यिकीय-I और सांख्यिकीय-II विषयों में एक निश्चित न्यूनतम स्तर प्राप्त करेंगे जैसा कि आयोग द्वारा अपने निर्णय से निर्धारित किया जायेगा।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल नम्बरों में से कुछ नम्बर काट लिए जाएंगे।

7. केवल सतही ज्ञान के लिए नम्बर नहीं दिए जाएंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि अभिव्यक्ति कम से कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा, प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक ठीक की गई हो।

9. उम्मीदवारों से तोल और माप की मीट्रिक प्रणाली की जानकारी की आशा की जाती है। प्रश्नों के उत्तर जहाँ कहीं सेवा आवश्यक हो, तोल और माप की मीट्रिक प्रणाली का ही उपयोग किया जाए।

अनुसूची

(भाग-क)

अंग्रेजी भाषा तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का स्तर यही होगा जिसको भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

अन्य विषयों के प्रश्न पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के संबंध व्यवस्थाओं के अंतर्गत 'मास्टर' डिग्री परीक्षा स्तर के होंगे। उम्मीदवारों के तथ्यों द्वारा सिद्धांत की व्याख्या करने और सिद्धांतों द्वारा समस्याओं का विश्लेषण करने की अपेक्षा की जाएगी उनसे अर्थ शास्त्र सांख्यिकी के क्षेत्र (जो क्षेत्रों) में भारतीय समस्याओं से संबंधित विशेष रूप से निपुणता की अपेक्षा की जाएगी।

सामान्य अंग्रेजी

उम्मीदवारों को अंग्रेजी भाषा में एक निबन्ध लिखना होगा। अन्य प्रश्न उम्मीदवारों को अंग्रेजी संबंधी योग्यता एवं अंग्रेजी शब्दों के सामान्य प्रयोग की जांच करने के लिए रखे जाएंगे। साधारणतया सारांश अथवा सारलेखन के लिए गद्यांश रखे जाएंगे।

सामान्य ज्ञान

इस प्रश्न पत्र के दो भाग होंगे :—

पहले भाग में उम्मीदवारों से ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें सामयिक घटनाओं का और दिन प्रति दिन देखी और अनुभव की जाने वाली बातों के वैज्ञानिक पक्ष का ऐसा ज्ञान सम्मिलित है जिसका किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा

की जा सकती है। जिसने वैज्ञानिक विषयों का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पत्र में भारतीय इतिहास और भू-गोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए।

दूसरे भाग में ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनके द्वारा उम्मीदवारों को तथ्यों और आंकड़ों का प्रयोग करने तथा उनसे तर्क संगत निष्कर्ष निकालने, जटिलताओं को प्रस्पष्ट जान लेने की योग्यता एवं महत्वपूर्ण और कम महत्वपूर्ण के बीच अंतर करने की योग्यता की जांच की जा सके।

अर्थशास्त्र-I (कोड-01)

क्षेत्र तथा रीति विधान

संतुलन विश्लेषण।

उपभोक्ता की मांग का सिद्धांत। तटस्थ रेखाओं का विश्लेषण, अधिमान संबंधी विचार धाराएं, उपभोक्ता की बचत, उत्पत्ति के सिद्धांत उत्पत्ति के कारण। उत्पत्ति पलन। उत्पत्ति के नियम। फर्म तथा उद्योग के अन्तर्गत साम।

विभिन्न प्रकार के बाजार संगठनों में मूल्य निर्धारण। समाजवादी अर्थव्यवस्था में मुख्य निर्धारण। मिश्रित अर्थव्यवस्था में मूल्य निर्धारण।

लोकोपयोगी सेवाएं :—लोकोपयोगिताओं की आर्थिक विशेषताएं। लोकोपयोगिताओं में मुख्य निर्धारण, लोकोपयोगिताओं का नियतन। वितरण का सिद्धांत। उत्पत्ति कारकों का मूल्य निर्धारण लगान मजदूरी व्याज तथा लाभ के सिद्धांत। समाविष्ट वितरण सिद्धांत। राष्ट्रीय आय में मजदूरी का भाग। लाभ और आर्थिक प्राप्ति। आय वितरण में असमानताएं।

रोजगार और उत्पादन का सिद्धांत :—क्लासिकल तथा नवक्लासिकल विचार धाराएं कीन्स का रोजगार सिद्धांत। कीन्स के बाद के सिद्धांत, आर्थिक उतार चढ़ाव व्यापार चक्रों के सिद्धांत। व्यापार के चक्रों को नियंत्रित करने के लिए वित्तीय तथा मौलिक नीतियां।

कल्याणकारी अर्थशास्त्र कल्याणकारी अर्थशास्त्र का क्षेत्र, क्लासिकल तथा नान-क्लासिकल विचार धाराएं, नवीन कल्याणकारी अर्थशास्त्र तथा क्षतिपूर्ति के सिद्धांत। अनुकूलतम दणाएं, नीति संबंधी भाषाएं।

अर्थशास्त्र-II—(कोड-02)

आर्थिक विकास की संकल्पना तथा उसका मापन समा-जिक लेखा राष्ट्रीय आय लेखा, नीति प्रवास का लेखा, निर्विष्ट निदेश निर्गत का लेखा।

सामाजिक विचारधाराएं तथा आर्थिक विकास।

विकासोन्मुख अर्थव्यवस्थाओं की विशेषताएं तथा समस्याएं।

जनसंख्या की वृद्धि तथा आर्थिक विकास।

विकास के सिद्धांत/विकास के प्रतिमान।

आयोजन :—संकल्पना तथा विधियां/समाजवादी तथा पूंजीवादी आर्थिक संगठन के आयोजन मिश्रित अर्थव्यवस्था के आयोजन। ठोस (पर्सपेक्टिव) आयोजन। क्षेत्रीय आयोजन। विनियोग के सिद्धांत तथा पद्धतियों का चयन। लागत लाभ विश्लेषण। योजना माडल।

भारत में आयोजन/आयोजन का प्रारंभ पंच वर्षीय योजनाएं। उद्देश्य तथा पद्धतियां। संस्थानों की गतिविधियां, प्रशासन तथा जन सहयोग मीट्रिक और वित्तीय नीतियों का

योगदान। मूल्य नीति, नियंत्रण तथा बाजार विन्यास व्यापार नीति तथा भुगतान संतुलन। सार्वजनिक उद्योगों का योगदान।

सांख्यिकी I (कोड—03)

विभिन्न प्रकार के सांख्यिकीय सन्निकटन, परिमित अंतर, मानक अन्तर्दर्शन सूत्र तथा परिशुद्धताएं प्रतियोग अन्तर्दर्शन। आवासन तथा समायोजन की सांख्यिकीय विधियां।

संभाषिता की परिभाषा—क्लासिकल मत—कार्यसिद्ध मत।

प्रतिचयन अवकाशपूर्ण एवं मिश्रित समाविसाका सिद्धांत प्रतिबन्धी टैकिय की असमता। प्रतिबन्धित घंटन/वृहत्त संस्थाओं के नियम तथा केन्द्रीय सीमित प्रवेश प्रमेय।

मानक घंटन द्विपट न्यासे, प्रशामान्य, आयताकार, पातीय विलम द्वीप अतिगुणोत्तर, कोणी, लापलाउ, कोटा तथा भाषा बंटन। द्विवचर तथा बहुचर प्रसामान्य बंटन।

बृहत्त और लघु प्रतिचयन सिद्धांत अपना स्पर्शीय बंटन तथा बृहत्त प्रतिचयन परीक्षण। मानक प्रतिचयन, बंटन जैसी टी० एक्स० 2 एफ० (T X 2 F) तथा उनपर आधारित सार्वकता साहचर्य तथा असंग सारणियों का विश्लेषण।

सह संवन्ध गुणांक तथा उसका बंटन 221 फिशर का जैड स्थानान्तरण गुणांक समाश्रयण: आसंजन रेखा बहुपद। आंशिक समाश्रयण तथा आंशिक सह संबंध गुणांक—नल मामलों में उनका बंटन। अंतर्वर्गिय सह संबंध। चक्र आमंजन तथा लम्ब कोणीय बहुपद।

प्रसरण विश्लेषण। एक जातीय प्राक्कलन का सिद्धांत अन्तःक्रिया प्रभाग सहित दिक् वर्गीकरण। सहप्रसरण विश्लेषण। प्रयोग अभिकल्पना के मूल सिद्धान्त। सामान्य अभिकल्पनाओं का अभ्यास तथा विश्लेषण जैसी यादृच्छिककोकृत खण्ड तथा लेटिन वर्ग चित। उपादानय प्रयोग तथा संकरण लुप्त क्षेत्र प्रविधियां।

प्रतिचयन विधियां—प्रतिस्थापन युक्त तथा प्रतिस्थापन रहित सरल यादृच्छ प्रतिचयन समाश्रयण तथा अनुपात प्राक्कलन सामुहित प्रतिचयन बहुक्रम प्रतिचयन तथा व्यवस्थित प्रतिचयन। प्रतिचयन लुटियां।

प्राक्कलन—मूल संकल्पनाएं। एक अच्छे प्राक्कलन की विशेषताएं बिन्दु प्राक्कलन तथा अंतराल प्राक्कलन। अधिकतम संभाविता प्राक्कलन तथा उनके गुण वर्ग।

परिकल्पनाएं के परीक्षण—सांख्यिकीय परिकल्पनाएं। सरल तथा संयुक्त परिकल्पना। सांख्यिकीय परीक्षण की संकल्पना। लुटियों के दो प्रकार।

घात फलन। संभाविता अनुपात परीक्षण। विश्वास अंतराल। प्राक्कलन। अनुकूलतम विश्वास परिबंध।

असमष्टीय परीक्षण जैसे—संकेत परीक्षण, माध्यिका परिक्षा तथा बाल परीक्षण सरल विकल्पना के विपरीत सरल परिकल्पना परीक्षण के लिए बाल्ड का अनाभिष्ट संभाविता अनुपात परीक्षक। ओ० सी०' तथा ए० एस० एन० फलन तथा उनके सन्निकट।

2-171 जी आई/76

6—सांख्यिकी—ग (कोड—04)

नोट :—इस विषय में निम्नलिखित पांच शाखाओं में से प्रत्येक पर भिन्न प्रश्न होंगे, अर्थात् (I) औद्योगिक सांख्यिकी (सांख्यिकीय गुण नियंत्रण सहित) (II) आर्थिक सांख्यिकीय (III) शैक्षिक सांख्यिकी (मनोमिति सहित) (IV) जनन सांख्यिकी तथा (V) जनविज्ञा और जन्म मरण सांख्यिकी।

जो उम्मीदवार इस विषय को अनिवार्य या ऐच्छिक विषय के रूप में लेंगे उन्हें उपयुक्त किन्हीं दो का चुनाव करना होगा, जिसको उन्हें अपने प्रार्थना पत्र में बताना होगा। एक बार प्रश्न पत्र चुनने के बाद परिवर्तन की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी।

(I) सांख्यिकी प्रकार नियंत्रण सहित औद्योगिक आंकड़े उद्योग के अंतर्गत प्रकार नियंत्रण का सैद्धांतिक आधार। सहन सीमाएं विभिन्न प्रकार नियंत्रण का सैद्धांतिक आधार चाड एक्स और चार्ट। पी० और सी० चार्ट वर्ग नियंत्रण चार्ट।

स्वीकार प्रतिचयन। एक पक्षीय, द्विपक्षीय, बहुपक्षीय तथा अनुक्रमिक प्रतिचयन योजना। ओ० सी० तथा ए० एस० एन० सलन। गुणों (attributes) तथा चरों (variables) द्वारा प्रतिचयन बोजरों रीमिंग तथा अन्य सारणी।

औद्योगिक संपरीक्षण डिजाइन। उद्योगों में समाक्षयण विधियों का प्रयोग तथा प्रसरण विधियों का विश्लेषण। उद्योगों में एकजातिया कार्यक्रम सहित संक्रियात्मक अनुसंधान विधियों का प्रयोग।

(II) अर्थ-सांख्यिकी

मूल्य और परिमाण के सूचकांक। सूचकांकों के विभिन्न प्रकार जैसे—चोक मूल्यों के सूचकांक तथा जीवन निर्वाह के सूचकांक। सूचकांकों का सिद्धान्त।

आयु वितरण। रैंडो वक्रम तथा अन्य वक्र। एक केन्द्रीय वक्र तथा उनके प्रयोग।

राष्ट्रीय आय। राष्ट्रीय आय के विभिन्न क्षेत्र। राष्ट्रीय आय के प्राक्कलन की विधियां। अंतर्क्षेत्रीय आय प्राक्कलन वर्ग समस्याएं। अंतर्क्षेत्रीय सारणी। निविष्ट निष्ट विश्लेषण तथा एकजातीय कार्यक्रम का प्रयोग।

आर्थिक काल—श्रेणियों का विश्लेषण तथा निर्वचन। आर्थिक काल श्रेणियों के चार संघटक। गुणात्मक तथा संयोग्यात्मक माडल। वक्र आसंजन तथा बल मध्यविधि उपनति निर्धारण। स्थित तथा चल सामायिक सूचकांकों का निर्धारण। स्पसंबंध। आयतिता वर्ग विश्लेषण। यदुच्छिका का परीक्षण।

उपयोग और मांग का सिद्धान्त मांग के कार्य, 4 मांग का तोल, काल श्रेणी तथा पारिवारिक बजट आंकड़ों द्वारा मांग का सांख्यिकीय विश्लेषण।

(III) शिक्षा सांख्यिकीय मनोमिति सहित—

परीक्षण पदों का मापन। प्राप्तांक मानक प्राप्तांक सामान्य प्राप्तांक

(ट) तथा सी नान, स्टैनोन मान, शततमक मान।

मानसिक परीक्षण, परिक्षणों की विश्वसनीयता और संसंगति। का सूचक सुसंगति निर्धारण की प्रक्रियाएं। परीक्षण बेटरों की मान्यकरण। बाल बनाम घात परीक्षण।

उत्पादन पर विश्लेषण। मद विश्लेषण। अभिरुचि परीक्षाओं में सह संबंध विधियों का उपयोग।

स्मरण तथा विस्मरण का माप, स्मरण माडल। अभिवृत्ति तथा मत का माप। समूह गत व्यवहार के माप।

(1V) जनन आंकड़े।

अनुवशिका का भौतिक आधार। मैन्डल के नियम। लिकेज। पृथकरण का विश्लेषण। लिकेज की पहिचान तथा प्राक्कलन। बहुजनन अनुवशिका। दुश्चलन के संघटक। अनुवशिकता का प्राक्कलन चयन। चयन का आधार। प्रजनन परीक्षण चरित्र सम्मिश्रण के लिए चयन।

जनसंख्या जनन। जनन कारवारता। अतः प्रजनन। यादृच्छिक उभागम लिकेज का विसाध्य। मानक जनन के तत्व। रक्त वर्गों का अध्ययन। रोग विशेषताएं तथा वियन।

(V) जनानिकों तथा जन्म मरण संबंधी आंकड़े:—

जीवन सारिणी, उसका निर्माण तथा गुण। मैकेडम तथा योग-पतंय वक्र मृत्यु संख्या की वार्षिक तथा केन्द्रीय दारों की व्युत्पत्ति। राष्ट्रीय जीवन सारिण्यां। यू० एन० आदर्श जीवन सारिण्यां। संक्षिप्त जीवन सारिण्यां। स्थित जनसंख्या स्थावर जनसंख्या।

अशक्ति प्रजनन करें, विशिष्ट प्रजनन करें, मूल और शुद्ध जन्म दें। परिवार का आकार। अशक्ति मृत्यु दें मूल और शुद्ध जन्म दें। बाल मृत्यु दें। सकारण मृत्यु संख्या। प्रमाणीकृत दें।

आंतरिक तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यावर्तन। विशुद्ध प्रत्यावर्तन। पिछली तथा उन्नत अतिजीविता अनुपात सिद्धान्त।

जनकीय संक्रमण। जनसंख्या निर्धारण के सामाजिक तथा आर्थिक निर्धारण। जनसंख्या प्रक्षेत्र। गणितीय तथा संघटकविधियां वृद्धि घात वक्र आसजन।

7. तुलनात्मक आर्थिक विकास:—(कोड-05)

विभिन्न सामाजिक व्यवस्थाओं के अंतर्गत विशेष रूप से भारत जापान, फ्रांस, ग्रेट ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत रूस के संदर्भ में आधुनिक आर्थिक विकास का तुलनात्मक तथा ऐतिहासिक अध्ययन। उम्मीदवारों से विभिन्न प्रकार की अर्थ व्यवस्थाओं जैसे क्रम विषय प्रधान संघतंत्र उद्यम अर्थ व्यवस्था केन्द्रीय योजना बद्ध अर्थ व्यवस्था उनमें हुए परिवर्तन विशेष रूप से विकासशील अर्थ व्यवस्थाओं को प्रदान करने योग्य शिक्षाओं की दृष्टि से ऐतिहासिक विकास तथा क्रियात्मक लक्षणों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने की अपेक्षा की जाएगी।

8. मुद्रा तथा सार्वजनिक वित्त (कोड-06)

मुद्रा का स्वरूप तथा कार्य। मुद्रा का मूल्य। मुद्रा उत्पत्ति और मूल्य गुणक तथा आय उत्पादन की प्रक्रिया। व्यापारचक्र और मूल्य व्यापार। मुद्रा स्फीति।

मीट्रिक नीति के उद्देश्य तथा रचना। बैंक दर तथा खुले बाजार की कार्यवाही केन्द्रीय बैंक पद्धति। सामान्य तथा सुविशिष्ट शाखा नियंत्रण विकासशील अर्थव्यवस्था के अंतर्गत अपनाई जाने वाली मीट्रिक नीति। विकसित तथा विकासशील अर्थव्यवस्था में मुद्रा तथा पूंजी बाजार। भारतीय मुद्रा बाजार का संगठन।

सार्वजनिक वित्त:—स्वरूप क्षेत्र, महत्व और उद्देश्य कराधान के सिद्धान्त करारोपण तथा महत्व कर योग्य क्षमता तथा दोहरा कराधान संविधानिक व्यय का प्रभाव और महत्व पूर्ण रोजगार और

आर्थिक विकास की वित्तीय नीति। घाटे की वित्त व्यवस्था। सार्वजनिक उद्यमों में प्राप्त आय।

सार्वजनिक श्रम के सिद्धान्त। आन्तरिक और विदेश ऋण। ऋण व्यवस्था। संघीय वित्त व्यवस्था के सिद्धान्त।

9. ग्रामीण अर्थशास्त्र तथा सहकारिता (कोड-07)

आर्थिक विकास में कृषि का योगदान।

कृषि उत्पादन तथा संसाधनों का उपयोग, उपयोग, उत्पादन उपलब्ध, उत्पादन माप, लागत और पूर्ति के अनिश्चितता की स्थिति में उत्पादन कारकों का संयोजन तथा उत्पादन विधियों का चयन। फसल आयोजन।

उत्पादन कारकों का क्रय विक्रय:—भूमि का क्रय विक्रय, भूमि का मूल्य और लगान। श्रम का क्रय विक्रय। मजदूरी और रोजगार बेरोजगार तथा अल्परोजगार। पूंजी बाजार वचन और पूंजी का निर्माण।

वस्तुओं की मांगें। खाद्यान्न की मांग।

कृषि अन्य पदार्थों का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मूल्य टैरिफ वस्तु संबंधी समझौते। कृषि विकास संबंधी अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम।

भारतीय ग्राम्य अर्थ व्यवस्था की समस्याएं।

कृषि जोत। भूमि का अधिग्रहण। फसल पद्धति कृषि निपज की समस्याएं। भूमिधरी सुधार। सामुदायिक विकास और पंचायती राज्य। कृषि संबंधी धंधे और ग्रामीण उद्योग। ग्रामीण ऋण प्रसतता कृषि साख कृषि। विपणन और मूल्य प्रसार। वस्तुओं की मांग और खादन्न की मांग। मूल्य आव-लंब और स्थिरता। कृषि भूमि तथा कृषि आयकर करारोपण। आयोजन के अंतर्गत भारतीय कृषिकी विकास कर।

पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि का स्थान। कृषि विकास। भारत के मूल्य कार्यक्रम।

सहकारिता:—सिद्धान्त उद्गम तथा विकास। भारत तथा दूसरे देशों के सहकारिता आंदोलनों का तुलनात्मक अध्ययन। भारत में विभिन्न प्रकार की सहकारी संस्थाओं का रूप संगठन तथा कार्य प्रणाली, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इन संस्थाओं का महत्व राज्य तथा सहकारी आंदोलन। रिजर्व बैंक आफ इंडिया का योगदान।

10. अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र:—(कोड-08)

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त। व्यापार के लाभ। व्यापार की शर्तें। व्यापार नीति। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास। टैरिफ का सिद्धान्त। परिमाणात्मक व्यापार समझौते। प्रमुख करेंसी प्रमाप। बाह्य और आंतरिक संतुलन।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं। अंतर्राष्ट्रीय वृणनिस्तारण और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष। अंतर्राष्ट्रीय मीट्रिक सुधार। विकासशील देशों के संबंध में भेदभाव रहित प्रवृत्तियां। निर्यात अस्थिरता और वस्तुओं के बाजार भाव की स्थिरता। अंतर्राष्ट्रीय निजी और सार्वजनिक पूंजी संबंधित जी० ए० टी० का योगदान। आर्थिक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता। अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक [(I.B.R.D.) एवं तत्संबंधी संस्थाएं। एशियाई विकास बैंक।

11. गणितीय अर्थशास्त्र और अर्थमिति : (कोड-09)

अर्थशास्त्र में गणित और सांख्यिकी का महत्व अर्थशास्त्र में मापों का प्रयोग, अर्थशास्त्र में गणित का महत्व : आर्थिक सहयोग के मापन में सांख्यिकीय अनुमति की विधियों और पद्धतियों का प्रयोग।

मांग विश्लेषण :—मांग का सामान्य सिद्धान्त और मांग की मान गत्यात्मक और स्पैतिक मांग फलन आयोजन की स्थिति में अतः संबंधित मांग और पूर्तिफलन मांग और पूर्ति प्राक्कलन की विधियाँ। मांग प्रक्षेप तथा मांग और मूल्य के प्रति अल्पकालीन दृष्टिकोण।

उत्पत्ति फलन :—उत्पादन और उत्पादन संभावना फलन की संकल्पना, उत्पादन फलन लागू करने की विधियाँ। उत्पादन आयोजन और उत्पादन नियंत्रण की गणितीय विधियाँ।

एक धातीय कार्यक्रम :—क्रिया विश्लेषण। एक धातीय कार्यक्रम और उसका उपयोग। निविष्ट नियम विश्लेषण। गेम सिद्धान्त के तत्व, आर्थिक आयोजन में उनका प्रयोग।

कोत्सवादी अर्थशास्त्र और क्लासिकल अर्थशास्त्र के गणितीय माडल

गुणक संकल्पना। त्वरक सिद्धान्त। साम्य विश्लेषण। उपभोक्ता साम्य। स्थिर दशाएँ आये और मूल्य वृद्धि की मांग पर प्रभाव, पूरक और स्थानापन्न वस्तुएँ। बाजार मांग विनियम संतुलन व्यवसाय संतुलन। अर्थव्यवस्थापक के अंतर्गत उत्पादन और विनियम का साम्य मांग और पूर्ति का सामान्यीकृत नियम।

निर्मिति (Structure) और माडल की संकल्पना

निर्मिति की विभिन्न संकल्पनाओं निर्मित और माडल में भेद। स्वतंत्र समीकरण और सम्मिलित समीकरण माडलों में समष्टि प्राक्कलन।

आयोजन माडल :—विभिन्न प्रकार के विकास माडल पूँजी निपज अनुपात और आर्थिक आयोजन में उनका उपयोग। आयोजन माडल दीर्घकालीन प्रक्षेप और संबंध। अल्पकालीन आर्थिक पूर्वानुमान।

12. प्रतिचयन सर्वेक्षण (कोड-10)

जनगणना और सर्वेक्षण में प्रतिचयन का स्थान। ढाँचे और प्रतिचयन की संकल्पना।

प्रतिचयन की विधियाँ :—आध्यादृच्छिक प्रतिचयन, स्तरित प्रतिचयन, स्तरण का चयन बहुमण्डीय प्रतिचयन, सामूहिक प्रतिचयन क्रम बद्ध प्रतिचयन दुहरा प्रतिचयन चर प्रतिचयन भिन्न आकार के अनुपात में संभावितता के साथ प्रतिचयन बहुपदीय प्रतिचयन, प्रतिलोभ प्रतिचयन।

प्राक्कलन की प्रक्रियाएँ :—कुल और औसत जनसंख्या का प्राक्कलन। प्राक्कलन में अभिनति। प्राक्कलन की त्रुटि। अनुपात समाश्रयण और गुणन प्रतिचयन।

अनुमूलनतम अभिकल्पनाएँ :—लागत और प्रसरण फलन, पथप्रदर्शी सर्वेक्षण का उपयोग। परिचयन इकाइयों का अनुमूलनतम

आकार और गठन। स्तरित बहुमण्डीय और बहुमण्डीय अभिकल्पनाओं में अनुकूलतम विनियान आवृत्ति सर्वेक्षण में अनुकूलतम प्रतिस्थापन भिन्न।

गैर प्रतिचयन त्रुटियों और उनका नियंत्रण अनुक्रिया अभाव का सिद्धान्त अन्देशी प्रतिचयन।

अभिकल्पना और पथप्रदर्शी तथा बड़े पैमाने के आवृच्छिक प्रतिचयन का संगठन। प्रतिचयन के रेखांकन को परिचालन को प्रक्रियाएँ, यादृच्छिक प्रतिचयन संख्याओं का उपयोग जी० पी० एस० प्रतिचयन के रेखांकन को विभिन्न विधियाँ। आंकड़ों के संग्रहण और सारमणयन की प्रक्रियाएँ। सर्वेक्षण आंकड़ों का विश्लेषण और प्रतिवेदनों का निर्माण।

13. औद्योगिक अर्थशास्त्र (कोड-11)

उद्योग, प्रतिस्पर्धा उद्योग का गठन। औद्योगिक इकाई के आकार का सिद्धान्त। औद्योगिक स्थान का निर्धारण। क्षेत्रीय औद्योगिक विकास। औद्योगिक समाकलन। संघ और एकाधिकार।

औद्योगिक उत्पादन की समस्याएँ :—उत्पादकता संकल्पना और मान उत्पादकता वृद्धि की विधियाँ :—लागत रचना और मूल्य निर्धारण की नीतियाँ।

भारतीय उद्योग की समस्याएँ :—वित्त, निविष्टियाँ, क्षमता का उपयोग औद्योगिक नीति। सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्र। औद्योगिक लाइसेंस की नीति। सरकारी और गैर सरकारी क्षेत्र। औद्योगिक लाइसेंस की नीति सरकारी विदेशी पूँजी और तकनीकी सहयोग। सार्वजनिक उद्यम की समस्याएँ संगठन प्रबन्ध नियंत्रण और उनका लेखा जोखा।

छोटा पैमाने के उद्योग की समस्याएँ और औद्योगिक सम्पत्ति/श्रम और आर्थिक विकास। श्रम उत्पादकता और प्रेरण स्रोत। भारत औद्योगिक संबंध। मजदूरी संघों का संगठन और संगठन। मजदूर संघ और राज्य औद्योगिक झगड़ों का निपटारा। न्यूनतम और उचित मजदूरी, मजदूरी और कार्य करने की दशाओं का राज्य द्वारा निर्धारण। श्रम कल्याण।

14. व्यापार सिद्धान्त और व्यापार कार्य :—(कोड-12)

क्रय विक्रय। क्रय विक्रय की संकल्पना। बाजार की विशेषताएँ विपणनकार्य। विपणन क्रिया। केन्द्रीकरण और विस्तार क्रय, विक्रय, माल यातायात भंडारण, कोटोक्रम और वित्त ग्राहक का स्वभाग और निर्णय बाजार संबंधी जानकारी और अनुसंधान वितरण के स्रोत। बाजार लागत और बाजार क्षमता बिक्री पूर्वानुमान और आयोजन। बिक्री प्रोत्साहन। विज्ञापन और विक्रेता के गुण। राज्य नियंत्रित बाजार।

भारतीय बाजार। कृषि उपज और औद्योगिक वस्तुओं का बाजार भारत में संयुक्त बाजार। स्टॉक एक्सचेंज और उपज एक्सचेंज, उनके कार्य और क्रियाविधि। सरकारी नीति सरकारी विपणन संगठन और राजकीय व्यापार।

विदेशी व्यापार। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की विशेषताएँ। घरेलू व्यापार के भिन्न व्यापार की विशेष समस्याएँ। यातायात, वित्त और बीमा, माख से संबंधित जोखिम, विनियम दर

में उतार चढ़ाव और भुगतान स्थान। विदेशी व्यापार में प्रयुक्त अभिलेख। आयात और निर्यात केन्द्रों का गठन और संगठन। निर्यात और आयात नियंत्रण के तरीके

भारत के विदेशी व्यापार की मुख्य विशेषताएं। वस्तु संरचना, मुख्य दिशाएं गत दशक में निर्यात और आयात नियंत्रण की क्रियाएं। लाइसेंस प्रक्रियाएं और उसका आधार विदेशी व्यापार वित्त। निर्यात जोखिम गारंटी पद्धति। हाल ही के वर्षों में निर्यात वृद्धि के लिए अपनाई गई विधियां भारत के व्यापार समझौते। राज्य व्यापार विभाग के कार्य। व्यवसाय वित्त और लेखें—(कोड-13)

आधुनिक उद्योग की वित्तीय आवश्यकताएं। भारत में औद्योगिक वित्त के साधन भारतीय पूंजी बाजार। संस्थाओं द्वारा वित्त प्रबंध। विदेशी पूंजी स्रोत, ब्याज की दरों और भुगतान की शर्तें। किसी एक फर्म की बजट पूंजी संबंधी आवश्यकताएं। पूंजी का उत्तम ढांचा किसी फार्म में अन्तर्गत निधियों के स्रोत और उपयोग। निजी वित्त। मूल्य ह्रास की नीति संचित कोष और लाभांश। करारोपण और वित्तीय नीति।

पूंजी की बजट व्यवस्था। वित्तीय विवरणों की तैयारी, विश्लेषण और निर्वचन। साख और शेयरों का मूल्यांकन। पुनर्निर्माण एकीकरण और विलयन योजनाओं का निर्माण। लेखा लागत विवरणों का निर्माण:—खर्च की व्यवस्था और नियंत्रण। बजटीय नियंत्रण के सिद्धांत प्रमाणिक लाग। वित्तीय और मिलान।

व्यवसाय का प्रबंध और वाणिज्य विधि (कोड-14)

प्रबंध पद्धति और प्रबंधीय कार्य। नीति निर्धारण और व्यवसाय के उद्देश्य। नेतृत्व और साहस, नियंत्रण और निर्णय की शक्ति। प्राधिकारी संबंध, प्राधिकार, शिष्टमण्डल प्राधिकार के स्तर और उत्तरदायित्व, नियंत्रण का विस्तार, पर्यवेक्षक की भूमिका। संचार और प्रेरणा के स्रोत की समस्याएं।

उत्पादन और वस्तु सूचक नियंत्रण। प्रकार नियंत्रण समय और गति का अध्ययन। समय की स्थापना और कार्य की माप तोल। उच्च संभाविता और यादृच्छिक क्रियाविधियां (कोड 15)

(क) उच्च संभाविता, संभावितता माप, यादृच्छ पद, बंटन फलन का विघटन, यादृच्छ पदों की प्रत्याशी। प्रतिबंधी संभावित और प्रतिबंधी प्रत्याशाएं, अनुक्रम का एकीकरण और स्वतंत्र यादृच्छ पदों का योग कालमोंगोरोव की विषमता, बहुत संस्थाओं का कठारे और कमजोर नियम बंटन में एकीकरण, अवांशदा और सातत्व के सिद्धांत गुणनफल अश्वितीय सिद्धांत प्रतिव्याम सूची, केन्द्रीय सीमा ससिद्धांत पूर्ण की समस्याएं।

(ख) यादृच्छिक क्रियाविधियां:—

यादृच्छिक क्रिया विधियों की परिभाषा और वर्गीकरण।

अनुक्रम (वास्तविक समय का इंटरनल या विविकल) से इंडेक्स की हुई वास्तविक यादृच्छ पद के समूह के रूप में

यादृच्छिक क्रियाविधियां। सीमित आयोग वितरण कार्यों को श्रेणी और उससे संबंधित कोलमोंगो रोव का सापेक्षता संबंधी विवरण।

यादृच्छ पदों में निर्भरता के विभिन्न प्रकार, स्वतंत्रता, स्वतंत्र विकास मारटगेल्स, मार्कोव निर्भरता विस्तृता और संकुचित प्रकार की अमलता। मार्कोव क्रियाविधियां, डिस्ट्रोड पैरोमीटर सहित और सीमित व डोन्यमिरेवत्व एटेट स्थैसिस सहित पूर्णतः अचल मार्कोव कार्यविधि (मार्कोव चेंस के नाम से भी विख्यात) संक्रमण संभावना मैट्रिसेसस: स्थितियों का वर्गीकरण और स्थितियों की श्रेणियां।

लगातार पैरोमीटर सहित मार्कोव कार्यविधि डिस्ट्रोड स्टेट स्पेश: कोलमोंगो ग्योरोव का फावर्ड और बैकवर्ड रमीकरण,

जनसंख्या की वृद्धि से संबंधित साधारण समकोपेक्षी यादृच्छिक क्रियाविधियां सतसय कार्यविधि। विशुद्ध जन्मकार्य विधियां जन्म मृत्यु कार्यविधि (बाद के दो प्रकार को लाईजियर प्रोसेस के मामले में पूर्ण हल)।

विस्तृत कार्यों में अचल कार्यविधि और डिस्ट्रोड पैरोमीटर सह विभेदीकरण कार्य सहविभेदीकरण कार्य कार्यविधि का स्पेक्ट्रल रिपेजेंटेशन, अचल कार्यविधियों के पारस्परिक निष्पादनों के उदाहरण सामान्य राशनल स्पेक्ट्रल डेंसिटी के उदाहरण।

सांख्यिकीय अनुमान—(कोड-16)

नोट—उम्मीदवार को खण्ड 'क' और 'ख' अथवा खण्ड 'क' 'ग' प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

(क) (I) प्राक्कलन।

प्राक्कलन की विभिन्न विधियां अधिकतम संभावितता की विधि, न्यूनतम वर्ग विधि गुणविधि, लघुतम वर्गों की विधि, अधिकतम संभावित आगणक के अनतस्पर्शी गुणधर्म।

कमर राव असमता और बहुतसमष्टिक मामलों में उसका सामान्यीकरण परिबंध। पर्याप्त सांख्यिकी गुण खण्डन प्रमेय, पिटमैन कूपमैन डर मोहस प्रकार के बंटलन पर्याप्त सांख्यिकी के न्यूनतम सैम्र, राव ब्लेक वेक्टर का प्रमेय। संभावितता बंटन का पूर्ण परिवार पूर्ण सांख्यिकीय न्यूनतम प्रसरण प्राक्कलन पर लेहमान शेफे का सिद्धांत।

(II) पारकल्पनाओं का परीक्षण

पारकल्पना परीक्षण का नैमिनयिसेन सिद्धांत यादृच्छिक अयादृच्छिक परीक्षण।

अति शक्ति और समानतः अधिसशक्त परीक्षण। 'निमैन', नियर्सेन की मूल प्रमेयिका। अनानिनाम त्रुटि परीक्षणों की सामजस्यता और उक्षता। समान क्षेत्र स्थानीय अनुकूलतम गुणधर्म सहित परीक्षाएं 'ए', 'ए' व 'ए'। बी सी तथा डी किस्त के संशय अंतराल। पूर्णता और एक रूपता वाले सिद्धांतों में संबंध। परीक्षण विन्यास का संभावितता अनुपात सिद्धांत और उसके कुछ प्रयोग।

(III) गैर प्रचालित परीक्षण

क्रम आंकड़े लघु प्रतिचयन और दीर्घ प्रतिचयन बंटन मुक्त विश्वस्त अंतराल। निम्नलिखित के लिए बंटन मुक्त श्रेणः—

- (i) आसजन सोपठव का वर्गीय परीक्षण, कोलमोगोराय सिप्रानोव परीक्षण।
- (ii) जो जनसंख्याओं की तुलना चाल परीक्षण, डिक्सन का परीक्षण बिलकाक्सन का परीक्षण माध्यिका परीक्षा, लक्षण परीक्षण, फिसरपटमैन का परीक्षण।
- (iii) स्वातंत्र्य असंगता का वर्ग स्पर्धमेन और केडल का कोट सह संबंध गुणांक।

असमष्टीय परीक्षणों के बृहत् प्रतिचयन गुणधर्म। दिशूलीय न्यास (युस्टैटिक्टिकस) और उनके सीमांत बंटन।

(ख) निर्णय फलन।

सांख्यिकीय योजना और उससे संबंधित चयन के सिद्धांत। सांख्यिकीय योजना के रूप में सांख्यिकीय समस्याओं का निरूपण, निर्णय फलन, यादृच्छिक और आयादाच्छक निर्णय के नियम। मानवकस बोर्ड के न्यूनतम खेद निर्णय नियम। वर्ग वाट हानि फुलन में ब्राह्म और मिनिमेक्स प्रावक्लन परीक्षार्थी के बलिस्ट पूर्ण वर्ग।

पर्याप्त का सिद्धांत और अप्रसरण का सिद्धांत। हंट स्टीम प्रमेय। मिनिमेक्स अप्रसरण निर्णय नियम।

(ग) बहुधर विश्लेषण

बहुधर सामान्य बंटन माध्य सादिश और सह प्रसरण आन्व्यू का प्रावक्लन, प्रतिचयन माध्यम सादिश और अज्ञात आन्व्यू का प्रावक्लन प्रतिचयन माध्यम सादिश और अज्ञात आन्व्यू का प्रावक्लन, प्रतिचयन माध्य सादिश और अज्ञात आन्व्यू के साथ माध्यम सादिश से संबंधित अनिमित का बंटन टी के अनुकूलतम गणक। सामान्य सह संबंध में एक या और कनेक्षया सामश्रियण गणक केहरेल फिर कानिमेय विषाट्ट बंटन विषाट्ट का ववागुणवर्म प्रसरण का सामान्यीकृत विश्लेषण विहित चर और विहित सह संबंध अनेक सह प्रसरण आन्व्यूहों की समानता।

प्रयोग अभिकल्प (को—17)

परीक्षण के सिद्धांत यादृच्छिकरण, पुनरावृत्ति और वृटि नियंत्रण वृटिनियंत्रण के उपाय, परीक्षण ईकायो/आकार प्रकार और बनावट का चयन परीक्षण इकायों का समूह।

प्रसरण विश्लेषण के मूल मान्यताएं। उपसंयोज्यता प्रसरणविपमांग और अपसामान्यता का प्रभाव/स्थान्तरण शुद्ध और मिश्रित माडल। सहकर्ता चरों का उपयोग। सहप्रसरण विश्लेषण

अपूर्ण खण्ड नमूनों का निर्माण और विश्लेषण (अंत-खण्डीय जानकारी सहित या रहित) गवांश नमूने आंशिक

रूप में संतुलित खंड नमूने कुछ दिशाओं में विपमत, दूर करने के लिए हाई पर ग्रेसियो लेटिन स्केवयर और अन्य अनमूने।

गुणनफलों के नमूनों का निर्माण और उनका विश्लेषण सामानांतरण श्रेणी में गुणनफलों के परीक्षण में प्राप्त, पूर्ण और आंशिक संतुलित प्रांति। मुख्य प्रभावों की प्रापित विघटित क्षेत्र आबटित क्षेत्र तथा अन्य नमूने गुणनफल अम्बा-वृद्धि। गुणात्मक और संसात्मक गुणनखंडों का परीक्षण।

लुप्त या मिश्रित उपजों के परीक्षण के लिए विश्लेषण की विधियों उसम्ब कोणीय आंकड़ों का विश्लेषण। परीक्षण वर्गों के परिणामों का संयोजन अनुक्रिया वर्ग और अनुक्रिया का प्रमाणिकरण।

शुद्ध गणित। (कोड—18)

सहज धरों के कार्य डीड काडड विधि से परिमेय संस्थाओं में से सहज संस्थाओं के निर्माण की प्रणाली। अनुक्रम और फुलन की सीमाएं और प्रतिबंध अनुक्रम के क्रामिक और साम्य रूपक परिवर्तन अंगत श्रेणी और अनत गुणनफल।

मीटर अवकाश खुले और बंद कुलक सतत फलन और समस्यता, अभिसरण और पूर्णता पूर्ण मीटर अवकाशों में समावेशी और बंद कुलकों का प्रमेय। मीटर अवकाशों में समावेशी और बंद कुलकों का प्रमेय। मीटर अवकाशों और यूक्लिडियन अवकाश समस्त सातत्व और अरजका प्रमेय। मीटर अवकाशों में संजय कुलक।

एक अथवा अनेक यथार्थ पदों के फूलन की अवक्लीयता मध्य मूल प्रयोग एक अथवा अक्षुम पदों के फलन में टेलर बृत्त विस्तार। लंगरेज गुणों को सहित फलनों का चरम मूल्य। अस्पष्ट और प्रति लोमफलन प्रमेय। फलनीय और जैकोबियन।

रोमान अनुफलद्व अनुफल फलनों के मध्यम मूल प्रमेय अनुफलन गणित। अभिसरण। बृहत् अनुकूल प्रमेय माप सिद्धांत लेबिन्डु माप मा उनके गुणधर्म। माप योग्य फलन। परिमित माप का कुलक पर परिसीमित फलनों कालेजिसभ्यु अनुकल। अनुफलन का अनुकल। सामान्य लेजिसभ्यु अनुकल। माप अभिसरण फलऊफी प्रमेयिका। एक दिष्ट प्रभावी और परिसीमित अभिरण प्रमेयोका। विटासी व्याप्ति प्रमेय। परिसीमित चरों का प्रसरण। निरपेक्ष सतत फलन। अनुकल कलन का आधार मूभूत प्रमेय स्टोलेंस अनुकलन।

जटिल पदों का फलनः—वैश्लेणिक फलन। कोसी रोमान सभी जटिल फलनों का समाकलन। कोशी का मूल प्रमेय और समाकलन सूच। मेरिंग प्रमेय। टेलर और लारेन्ट विस्तार गुल्य और ध्रुव विचित्रताएं। अविशिष्ट प्रमेय और उसके उपयोग में तकी सिद्धांत रंजी प्रमेय।

अधिकतम मापांक सिद्धांत और स्वार्ज प्रमेयिका ।

द्वितीय स्थानांतरण । अनकोण निरूपण ।

दूहरे आवृत्तफलन । वायरडटास फल । जकीबी के एस एन सी एमडी एन (Sn.C.Om.Dn.) फलन । दीर्घवृत्तीय समाकल शुद्ध गणित-II (कोड-19)

आव्यूह तथा सारणिकी सहित आधुनिक बीजगणितः--

समूह और अर्द्ध समूह । समस्यता । स्थातरण समूल केवल केले प्रमेय, चक्रीय समूह । क्रमचर्य सम और विषम क्रम चर्य । सहमूलक समूहों का विघटन । लेगरेज प्रमेय अचल उप समूह और गुणांक समूह । समस्थता और स्वस्थाता । सयुग्मी तथ्य सामान्य श्रेणी । मिश्रित श्रेणिया और मोडेन हाल्डर प्रमेय ।

कथः-- अनुकल प्रान्स भाग बलय क्षेत्र । आव्यूह बलय चतुष्टयः उपकलय आदर्शः-- महिष्ठ प्रधान और मुख्य आदर्श । अद्वितीय गुणनखंड प्रान्त अन्तरबलय पूर्ण संख्याओं का आदर्श और अंतर बलय । फरमेट प्रमेय । बलयों की समस्कता ।

क्षेत्र विस्तारः--बीजगणित और बीजातीत क्षेत्र विस्तार गलाइस सिद्धांत के अवयव और अवयवों द्वारा समीकरण के हल में उसका उपयोग । सादिश अवकाश क्षेत्र । उपअवकाश और उनका बीजगणित एक धातीय स्वायंत्वम आधार, विस्तार गुणक अवकाश । समस्यता और सादिश अवकाश ।

एक पातीय समीकरण पद्धति ।

आधार, विज्ञतार गुणक अवकाश । समस्यता और सादिश अवकाश ।

एक पातीय समीकरण पद्धति । आव्यूह पद । आव्यूहों के तुल्य संबंध प्रारम्भिक आव्यूह, श्रेणी तुल्यांक, तुल्यांक समस्तया

सादिश अवकाशों पर एक धातीय स्थातरण उनको शून्यताद्वेत अवकाश और द्वेत आधार । एक द्विधातीय और चतुष्टयस्थ कोटि और चिह्न रूप का विहित रूप का विहित रूप में लघुकरण और दो चतुष्टय रूपों का युगपन लघुकरण ।

साणिक फलन, अवकाश अस्तित्व और साणिक विस्तार का लेप्लेस की विधि दोरे । वीनेट-कोशी सूत्र आ सवण और अल्पिष्ठ बहुपद मान और प्रथमलिक सादिश । केले हैमिल्टन प्रमेय । विरणीकृत प्रमेय ।

पन-विमितीय ज्यामितिः हन विमितीय ज्यामिति के अवयव । डेक्सार्ग का प्रमेय । एकमोतीय अवकाशों के स्थातंत्र्य का मात्रा । दैस्तता । समानान्तर रेखाएं । दीर्घवृत्तीय आतपरकलम, यूक्लीडियन और प्रक्षेपीय ज्यामितिया । सपाट धरातल (सम-1) के समानान्तर रेखा । एन-परिस्पारिका संकोणरेखाएं । सपाट अवकाशों के बीच का अंतर और कोण ।

उत्तल आ कुलक और उत्तल । शंकु । उत्तल आचरण अतिसमतलों के पृथक करने के प्रमेय । तत से प्रतिबंधित बंद उत्तल कुलांक का प्रमेय । जिनके प्रत्येक आलंबी अतिसमतलों में चरमबिन्दु होते हैं । चरम बिन्दुओं का उत्तल आवरण । उत्तर बहुतलशंकु ।

क्षेत्रों के एक पातीय स्थान्तरण । अवकल ज्यामितिः अवकाश वक्र, वेष्टन उभये आधार । वक्र से संबंधित उभये । आधारप्रत वक्र घातीय निदेशांक । प्रथम और द्वितीय आधार भूत रूप । सामान्य खण्ड को वक्रता । वक्रकृति की रेखाएं । संयुग्म विधियां । अनंतस्पर्शी रेखाएं । गोल और कांडाओं के समीकरण । धरातल पर दो बिन्दुओं के बीच की सबसे छोटी रेखा और दो बिन्दुओं के बीच की सबसे छोटी समानान्तर रेखा रेखित आधार ।

II शुद्ध गणित-III (कोड-20) ।

संख्यात्मक विश्लेषण और अवकल समीकरण । परिमित अवकल । अन्तर्वेशन । बहिर्वेशन । प्रतिलोप अन्तर्वेशन । संख्यात्मक अवकल और संख्यात्मक अनुकल । प्रथम श्रेणी के अवकल समीकरणों की उत्पत्ति, एक धातीय अवकल समीकरणों के सामान्य गुण धर्म । स्थिर गुणांकों के साथ एक धातीय अवकल समीकरण ।

सामान्य अवकलन समीकरणों की उपति । उपपति शुरू करने और उप पति जारी रखने की विधियां । सम्मिलित एक धातीय समीकरण और उनकी सउपपति बहुपत समीकरणों के मूलधन विधि द्वारा सामान्य नियमों की उपपति । नोमोग्राम । अवकलन समीकरणः डी वाई/डी० एक्स-एफ (एक्स वाई) । $dy-dy/b$ (by) के हल का अस्तित्व प्रमेय ।

प्रथम कोटि के एक धातीय और अधातीय समीकरण । स्थिर गुणांकों के साथ एक धातीय समीकरण । समस्त एक धातीय समीकरण दूसरी कोटि के एक धातीय समीकरण । श्रेणी गत अनुकलों की फोवन साविध । लीजेन्डर और हरमिट समीकरणों की उपपति । लीजेन्डर और हरमिट बहुपदों और हरमिट फलनों के प्रारम्भिक गुण धर्म । सम्मिलित एक धातीय समीकरणों की विधियां । तीन तर्षों के साथ पूर्ण अवकल समीकरण ।

आंशिक अवकल समीकरणः पहली और दूसरी कोटि के आंशिक अवकल समीकरण लेगरेज, चारमिब और मोगों की विधियां । स्थिर गुणांकों के साथ एक धातीय आंशिक अवकल समीकरण । पदों के पृथकरण द्वारा लाप्लास तरंग और विचरण समीकरण की उपपति ।

विचरणों का फलनः --यलूर समीरण के न्यूनतम व्युत्पत्ति की अनिवार्य शर्तें : हैमिल्टन का सिद्धांत । हैमिल्टन वादी । समपरिमापी निर्मय । पद और बिन्दु निर्मेद अनुकल फलनों का लघुतम । बोलजा । निर्मेय । बहुत अनुकल निर्मेय । विचरणों का फलन की प्रत्यक्ष विधियों द्वितीय विचरण और लघुतम के लिये जोजेन्द्र की अनिवार्य शर्तें ।

ह्रात्मेक विश्लेषण : कैरियार श्रेणियों द्वारा फलन प्रदर्शन । डीरविले । समावल । रोमन लेविसन्यू प्रमेय । रोमन का स्थानीकरण प्रमेय । फेरियार श्रेणियों (जोर्डन, डिनी, एण्ड डी० ला बल्ली पोलिन) के अधिकरण के लिये यथेष्ट शर्तें, कैरियार अनुकल प्रतिचयन प्रमेय धात वर्णक्रम । स्वसह संबंध और अनुप्रबंध सह संबंध ।

प्रयुक्त गणित (कोड-21)

स्पेतिकी, असमततीय वलों में दूढ़ मिड के साथ की सदिस प्रतिपादन । केन्द्रीय अक्ष । आमासी कार्य के सिद्धांत । स्थिरता केन्द्रीय कलों की ज्याएं । सादा और समतली वक्रों पर ज्या का सान्य । लचक ज्या । दण्ड, डिस्क और कलय के विषय और आकर्षण ।

गति विज्ञान—न्यूटन के गति नियम डी एलेम्बर्ट का सिद्धांत । रैलिक गति आवेगी कल और संबलुटन । संवेग और ऊर्जा का सिद्धांत । स्वांतव्य और निष्पक्षता की माताएं । सामान्वीकृत निर्देशांक । समय स्वतन्त्र प्रणाली का लेगरेज समीकरण । यूलर के गतिकीय और ज्यामितिय समीकरण । हैमिल्टन का सिद्धांत । हैमिल्टन का समीकरण । बहुमिड का परिचय ।

द्रव गति विज्ञान—यूलर और लेगरेज के गति समीकरण । ग्रीस रेखाएं । आवर्तिता और संचरण तथा आदर्श द्रवों में उनकी स्थिरता ।

वरनौली का प्रमेय और उनका प्रयोग । सिलिंडर और बलायों के चतुर्दिक् विभव प्रभाव ब्लूशेस का प्रमेय और उसका प्रयोग । प्रेवक्तीय नियमों को उपपत्ति की प्रतिबंध विधियां और अनुकोण स्थान्तरण । आर्बत्वगति के सामान्य ऋणधर्म अदिक्तीयता प्रमेय । सांद्र देव । नेपियर-स्टीक्स के समीकरण । समान्तर दीवारों और सीधे पाईपों में प्रवाह औसीन और स्टाक्स कैसोप्रिकट गुल्य पूर्व मंद गति ।

विद्युत और चुम्बकत्व : क्लोम्ब नियम । जार्जें । धातक और धारित्र । विद्युत पारक । स्थिर करंट करंटों के चुम्बकीय प्रभाव प्रेरित करंट और श्रेत । मेक्लेसेल समीकरण । दो माध्यमों के अंतः पुष्ट की विद्युत चुम्बकीय दशाएं । विद्युत चुम्बकीय विभव, भार और ऊर्जा । पीरियटिंग का प्रमेय । जूल ऊष्मा । प्रत्यावर्त करंट समूषणधरमी विद्युत पारक में विद्युत चुम्बकीय तरंगें । विद्युत चुम्बकीय तरंगों परावर्तन और वर्तन । चालित माध्यम तरंग ।

ऊष्मागतिकी —ऊष्मा, ताप और एन्ट्रोपी की परिभाषा की संकल्पना ऊष्मागतिकी के प्रथम और द्वितीय नियम । विशिष्ट ऊष्मा । अवस्था परिवर्तन । वाष्प दबाव । ऊष्मा चालन । विकिरण । प्लेक का नियम । स्टीफन का नियम । ऊष्मागतिकी के फलन और विभव । किष्म प्रणालियों और निष्का व्यवस्था नियम ।

सांख्यिकीय यांत्रिकी—आकृति अवकाश के ज्यामिति और प्रगति को : मेक्सवेल-व बोल्जगेम, ओस-ड्राई आईस्टीन और फर्मी हिरेक के आंकड़े ।

(भाग—ख)

मौखिक परीक्षा

उम्मीदवारों का साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विधियों के बोर्ड द्वारा किया जायेगा, जिसमें प्रख्यात शिक्षा शास्त्री भी होंगे । बोर्ड के सामने उम्मीदवार का सर्वांगीण जीवन वृत्त होगा । साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि जिस सेवा या जिन सेवाओं के लिये उम्मीदवार परीक्षा में सम्मिलित हुआ है, उसके/उनके लिये व्यक्तित्व की दृष्टि से वह उपयुक्त है अथवा नहीं । साक्षात्कार उम्मीदवार के सामान्य और विशिष्ट ज्ञान और योग्यता की जांच करने के लिये लिखित परीक्षा को सम्पूर्ण करने के उद्देश्य से लिया जाता है । उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विद्याध्ययन के विशेष विषयों में ही सूझ-बूझ के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचार-धाराओं में और नई खोजों में रुचि लें, जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है ।

साक्षात्कार जटिल परिमृष्टा की प्रक्रिया नहीं है अपितु स्वाभाविक निदेशन और प्रयोजन युक्तवार्तालाप की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति का उदघाटन करना है । बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों का मानसिक सतर्कता आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति संतुलित निर्णय की शक्ति और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा ।

परिशिष्ट III

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त व्यौरा :—

1. जो उम्मीदवार दोनों से किसी भी सेवा के लिये सफल होंगे, उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड IV में परख पर की जायेगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी, और इस अवधि को घटाया भी जा सकता है । सफल उम्मीदवारों की परख की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण वा पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी ।

2. यदि सरकार की राय में किसी परखाधी अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसे कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है ।

3. परख अवधि या उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिये योग्य नहीं है तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है ।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परख अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाये तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तियों उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जायेगा ।

5. भारतीय अर्थ सेवा और भारतीय सांख्यिकीय सेवा निर्धारित वेतन मान निम्नलिखित हैं :—

अयन ग्रेड (सलेक्शन ग्रेड)—रु० 2000-125/2/22.

ग्रेड-I निदेशक—रु० 1800-100-2000

ग्रेड-II संयुक्त निदेशक—रु० 1500-60-1800

ग्रेड-III उप निदेशक—रु० 1100-50-1600

ग्रेड सहायक निदेशक—रु० 700-40-900-रु० 1100-50-1300

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड में पदोन्नति के समय सम्बन्धित भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा के उपबन्धों के अनुसार की जाएगी ।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा के को केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत भारत में कहीं भी या भारत कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है । अथ निश्चित अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों की सेवा की शर्तें तथा छुट्टी तथा पेंशन अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं समूह (ग्रुप) 'ए' के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगी।

8. समय-समय पर संशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली (जनरल प्राविजेंट फंड-सैन्ट्रल सर्विसेज फंड) के अन्तर्गत इस निधि में अभिदान कर सकेंगे।

परिशिष्ट-I

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम :

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए दिये जा रहे हैं ताकि इस बात का पता लगा सके कि उनका शारीरिक स्वास्थ्य अपेक्षित स्तर का है या नहीं। यह विनियम मैडिकल परीक्षणों के मार्गदर्शन के लिये हैं और जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित की गई न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता, उसकी मैडिकल परीक्षक स्वस्थ घोषित नहीं कर सकते। किंतु जब मैडिकल बोर्ड की यह राय हो कि उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित स्तर के अनुसार स्वस्थ नहीं है तो भी मैडिकल बोर्ड को यह अनुमति है कि वह भारत सरकार को विशेषकर लिखे हुए कारणों द्वारा सिफारिश कर सकता है कि उसको सरकार की हानि बिना नौकरी में लिया जा सकता है।

परन्तु यह साफ-साफ समझ लेना चाहिये कि भारत सरकार अपने निर्णय में मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के साथ किसी उम्मीदवार को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार रखती है।

1. नियुक्ति के योग्य ठहराये जाने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो इंडियन समेत) जाति के उम्मीदवारों के आयु कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंधी आंकड़े सब से अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद छाती घेरे में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल रखना चाहिये और छाती का एकसरे लेना चाहिये। ऐसा ले के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को योग्य अथवा अयोग्य घोषित गा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से नापा जायेगा:—

वह अपने जूते उतार देगा और उसे मार्पदण्ड (स्टेन्डर्ड) प्रकार सटा कर खड़ा किया जायेगा कि उसके पांव आपस में ए रहें और उसका वजन सिवाए एड़ियों के पावों की उंगलियों सी और हिस्से पर न पड़े। यह बिना अकड़ सीधा खड़ा होगा सकी ऐडियां, पिडलियां, नितंज और कंधे माप वण्ड के साथ गे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जायेगी ताकि सिर का स्तर (आफ वि हैडलेवल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में नापा जायेगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भांति सीधी खड़ा किया जायेगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं मिर से ऊपर सटी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह से लगाया जायेगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेकड) के निम्न कोणों (इन्फिरियर एंगलस) से लगा रहें और यह फीते की छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहें। फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और उन्हें शरीर के साथ ढीला लटका रहने दिया जायेगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किये जायें जिससे कि फीता न हिले। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जायेगा और छाती को अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जायेगा, 84-89-86-93 आदि। नाम को रिकार्ड करते समय एक सेंटीमीटर से कम के भिन्न (फ्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिये)।

नोट—अंतिम निर्णय लेने से पहले उम्मीदवार की ऊंचाई और छाती दो बार मापी जायेगी।

5. उम्मीदवार का वजन भी लिया जायेगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जायेगा। आधे किलोग्राम से कम के फ्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिये।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी। प्रत्येक का परिणाम रिकार्ड किया जायेगा।

(ख) चक्ष्में के बिना नजर (नेकड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में मैडिकल बोर्ड या अन्य मैडिकल प्राधिकारी दर से उसे रिकार्ड किया जायेगा। क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जायेगी।

(ग) चक्ष्में के साथ और चक्ष्में के बिना दूर और नजदीक की निम्नलिखित मानक निर्धारित किया जाता है:—

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख	खराब आंख (शोधित दृष्टि)	अच्छी आंख	खराब आंख (संशोधित दृष्टि)
6/9	6/9 अथवा		
6/9	6/12	जे० I	जे० II

(घ) निकट दृष्टि के प्रत्येक मामले में, फंड्स परीक्षा की जानी चाहिये और उसका परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। व्याधिकृत दशा मौजूद होने पर जो कि बहुत सकता है और उम्मीदवार की दक्षता पर प्रभाव डाल सकती है, उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र—सम्मुखन विधि (कॉन्टेन्शन मैथड) द्वारा क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोष-जनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र की परिमापी (पेरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिये।

(ब) रतौधी (नाइटब्लाईण्डनेस) साधारण तथा रतौधी दो प्रकार की होती है (क) विटामिन (ए) की कमी होने के कारण और रेटीना के व्यावहारिक रोग के कारण रेटीनीटिस प्रिगमेटोसा होता है। जिसका सामान्य कारण ऊपर बताई गई (1) की स्थिति में फंडस में प्रसामान्य होता है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक खाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देता है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाता है, ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस की खराबी होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी प्रौढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकारी ऊंची नौकरियों के लिये प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं।

उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिये अंधेरा अनुकूलन परीक्षा से स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिये विशेष तथा फंडस खराब नहीं हो तो इलेक्ट्रोनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है। इन दोनों जांचों में अधोग्र अनुकूलन और रेटीनोग्राफी में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और समान की आवश्यकता होती है और इसलिये साधारण बिकित्सक जांच के लिये ये दोनों संभव नहीं। तकनीकी वार्ता को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिये कि वे बताएं कि रतौधी के लिये इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर होगी कि पद से संबंधित काम की आवश्यकता क्या है और जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनकी इयूटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि को पकड़ से भिन्न आंख की व्यवस्थाएं (आव-रूलर कंडीशन्स) :—

(i) आंख की उस बीमारी को या बड़ती हुई बतर्न लुटि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव ऐरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की पकड़ कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ii) भैगापन (स्किवट) : तकनीकी सेवाओं में जहां द्विनेत्री (बाईनोकुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की पकड़ निर्धारित स्तर की होने पर भी भैगापन अयोग्यता का कारण समझना चाहिये।

(iii) एक आंख वाले व्यक्ति—यदि किसी व्यक्ति की एक आंख हो अथवा एक आंख की दृष्टि सामान्य हो और दूसरी आंख की दृष्टि एम्ब्लोपिक अथवा अर्ध सामान्य हो तो आमतौर पर उसका प्रभाव यह होता है कि गहराई को देखने के लिये स्टोरियो-स्केपिक दृष्टि उसकी कमजोरी होती है। उनके सिविल पदों के लिये उसकी आवश्यकता नहीं होती, मैडिकल बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की सिफारिश कर सकते हैं यदि उनकी सामान्य आंख में—

(i) ऐनक के साथ या ऐनक के बिना दूर की दृष्टि 6/6 और समीप की दृष्टि जे०-1 हो, परन्तु शर्त यह है कि किसी भी मैरोडियन में गति दूर की दृष्टि के लिये 4 डायोप्टीयर से अधिक न हो।

(ii) उनकी दृष्टि का क्षेत्र पूरा हो।

3-171जी०आई०/76

(iii) रंगों की सामान्य पहचान हो, जहां भी इसकी आवश्यकता हो, परन्तु शर्त यह है कि कोई इस बात से संतुष्ट हो कि उम्मीदवार संबंधित पद के सभी कार्य करने में समर्थ हो।

(ज) कन्टैक्ट लेंस (Contact Lenses)—उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कोन्टैक्ट लेंस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होती। आंख की जांच करते समय यह आवश्यक है कि दूर की नजर के लिये टाईप किये हुए अक्षर 15 पादवर्ती (फुट कैंडस) से प्रकाशित हों।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

रक्त दाब के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा।

नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आवलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है :—

(i) 15 से 25 वर्ष तक की आयु वाले व्यक्तियों को औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों के ब्लड प्रेशर का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु सम्मिलित करें। यह तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दीजिये :—सामान्य नियम के रूप में 140 से सिस्टोलिक प्रेशर को 90 के कम के डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध समझ लेना चाहिये और उम्मीदवार के योग्य या अयोग्य होने के संबंध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले उम्मीदवार बोर्ड को चाहिए कि वह उम्मीदवार को हस्पताल में रखे। हस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या उसका कारण कोई कायिक (आयुजिक) बीमारी है। ऐसे सभी केसों में हृदय का एकसरे और विद्युत हृद लेखी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक) परीक्षा और रक्त यूरिया निकास (क्लायरेंस) की जांच भी नैमी रूप से की जानी चाहिए फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने पर या न होने के बारे में अंतिम फैसला मैडिकल बोर्ड करेगा।

रक्त दाब (ब्लड प्रेशर) लेने का तरीका

नियमित : पारे वाली दाबमापी (मर्करी मैनोमीटर) किस्म का आला (इस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिये। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्त कि वह और विशेष कर उसकी भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ से पूरी तरह हवा निकालकर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और इसके निचले किनारे की कोहनी के मोड़ के एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिये। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर सामान रूप से लपेटना चाहिये ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रचंड धमनी (ग्रिकल आर्टरी) को दबा दबा कर बूझा जाता है और तब उसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ से लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे धीरे हवा निकाली जाती है। इसकी क्रमिक ध्वनिया सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है।

जब और हवा निकाली जायेगी तो ध्वनिया तेज सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनिया हल्की दबी हुई सी लुप्त प्राय हो जाएं, वह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिये। क्योंकि कपल के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये क्षेमकर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दो बार पड़ताल हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही सेवा किया जाय। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनिया सुनाई पड़ती है। दाब गिरने पर वे गायब हो जाती है और निरन्तर स्तर पर पुनः प्रकट होती है। इस माईलेट्गम से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किये गये मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिए और रिकार्ड किया जाना चाहिये। अब मैडिकल बोर्ड की किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जाच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड उसके दूसरे सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डाइबिटीज) के घातक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि कोई उम्मीदवार को ग्लूकोज (ग्लाइकोयूरिया) के सिवाय अपेक्षित फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप समझा जाए तो वह उम्मीदवार इस शर्त के साथ फिट घोषित किया जा सकता है कि ग्लूकोज में मधुमेह (नान डायबेटिक) हो और बोर्ड केस को मैडिसन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हो। मैडिकल स्टैंडर्ड ब्लडशूगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी बिल निकले या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मैडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मैडिकल बोर्ड का 'योग्य' या 'अयोग्य' की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। श्रौषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. जो स्त्री उम्मीदवार जाचो के फलस्वरूप 12 सप्ताह या उससे अधिक अवधि की गर्भवती पाई जाएं उसे तब तक के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाए जब तक इसकी गर्भावस्था समाप्त न हो जाए। गर्भाशय के समाप्त होने के 9 सप्ताह बाद यदि वह पंजीकृत चिकित्सक के स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर दे तो अयोग्य प्रमाण-पत्र के लिये उसकी फिर से जाच की जाये।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिये।

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों में अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और काम की बीमारी का कोई चिन्ह है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो इसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि भुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि उसके कान की बीमारी बढने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग-दर्शन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग-दर्शन जानकारी दी जाती है:—

(1) एक कान में प्रकट अथवा यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बह-पूर्ण बहरापन, दूसरा कान रापन 30 डेसीबेल तक हो तो गैर तकनीकी काम के लिये योग्य

(2) दोनों कानों में बहरापन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।

(3) सेन्ट्रल अथवा मार्जिनल टाईम के टिप्पनिक मेम्बरेन छिद्र

यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहरापन 30 डेसीबेल तक हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिये योग्य।

(i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिप्पनिक मेम्बरेन छिद्र विद्यमान हों तो अस्थायी रूप में अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति को सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवार को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिये गये नियम 4 (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।

(ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।

(iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

(4) एक ओर से/दोनों ओर से मल्टायड केबिटी सब-नार्मल श्रवण वाले कान।

(i) किसी एक कान से सामान्य रूप से सुनाई देता हो, दूसरे कान में मल्टायड केबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये योग्य।

(ii) दोनों ओर से मल्टायड केबिटी तकनीकी काम के लिये अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबेल हो जाने पर गैर तकनीकी कार्यों के लिये योग्य।

(5) बहते रहने वाला कान-आप-रेशन किया गया/बिना आप-रेशन वाला।

तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिये अस्थायी रूप में अयोग्य।

(6) नामा-पट की हड्डी संबंधी विस्पताओं (बोनों डिफा-जिज) सहित अथवा उस से

(i) प्रत्येक मामले का परि-स्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

रहित नाम की जीर्ण प्रवाहक/ एलर्जिक दशा ।

(ii) यदि लक्षणों सहित नासा फट असरण विद्यमान होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य ।

(7) टॉसिल और/अथवा एवं स्वरयंत्र (लेन्स) का जीर्ण प्रदाहक दशा

(i) टॉसिल और/अथवा स्वरयंत्र की जीर्ण प्रदाहक दशा-योग्य

(ii) यदि आवाज में अल्पाधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप में अयोग्य ।

(8) कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर दुर्घट ट्यूमर ।

(i) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप में अयोग्य ।

(ii) दुर्घट ट्यूमर अयोग्य श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणत ।

(9) आस्टेबिलिशसिस

30 डेसीबल के अन्दर होने पर योग्य ।

(10) कान नाक अथवा गल के जन्म-जात दोष

(i) यदि काम काज में बाधक न हो तो अयोग्य ।

(ii) भारी मात्रा में हक-लाहट हो तो अयोग्य ।

(11) नेजल पोलि

अस्थायी रूप में अयोग्य ।

(ख) कि वह बिना किसी बाधा के बोल सकता है ।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जख्मी होने पर नकली दांत लगे हैं/या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा) ।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका विल और फेफड़े ठीक हैं या नहीं ।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं ।

(च) उसे रज्जर (हार्निया या फटन) है या नहीं ।

(छ) उसे हार्ड्रोसील, बड़ी हुई बेरिकोसील केरिकोज शिरा (वेन या बवासीर है या नहीं) ।

(ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और ग्रथिता भलीभांति स्वतंत्र रूप में हिलती है या नहीं ।

(झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं ।

(ञ) उसे कोई जन्मजात कुचन या दोष है या नहीं ।

(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमजोर गठन का पता लगे ।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्युनिकेबल) रोग है या नहीं ।

11. दिल और फफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से शत न हो सभी मामलों (केसेज) में नेमी रूप से छाती की पटक्षेत्र (स्क्रीनिंग) की जानी चाहिए, जहां आवश्यक समझा जाए, एक छायाचित्र (स्कायग्राम) लिया जाना चाहिए ।

जब कोई दोष मिले जो उसे प्रमाण पत्र में अवश्य ही नोट किया जाये । मेडिकल परीक्षक की अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में उससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं ।

12. जहां तक मिली-जुली प्रतियोगिता परीक्षा के उम्मीदवारों का संबंध है उनके लिए ऊपर पैरा 11 की नीचे की टिप्पणी में बताई गई अपील करने की कार्यविधि लागू नहीं होगी । इस परीक्षा के उम्मीदवारों की अपील शुल्क 50 रुपये भारत सरकार के संबंध में निर्धारित ढंग से जमा करना होता है । यह फीस केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगी जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित किये जाएंगे । शेष दूसरों के मामलों में यह जम्मा कर ली जायेगी । यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने अयोग्य होने के बावत दावे के समर्थन में स्वास्थ्य बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिए अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और उसका खर्चा उम्मीदवार को ही देना पड़ेगा । दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के संबंध में की जाने वाली यात्राओं के लिए कोई यात्रा-भत्ता या दैनिक-भत्ता नहीं दिया जायेगा । अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबन्ध के लिए मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जायेगी ।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यताएं (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए ।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अप्वाइंटिंग अथॉरिटी) को, यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (वाडिली इनफर्मिटी) नहीं जिसे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो ।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न का भविष्य से भी उतना ही संबंध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरंतर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समयपूर्व पेंशन या भ्रदाय-गियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट किया जाए कि यहां प्रश्न केवल निरंतर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जब कि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरंतर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में साधारणतया तीन सदस्य होंगे। (i) एक चिकित्सक (ii) एक शल्य चिकित्सक और (iii) एक नेत्र चिकित्सक। ये सभी यथासंभव साध्य समान स्तर के होने चाहिए। एक महिला उम्मीदवार को परीक्षा के लिए किसी महिला चिकित्सक (लेडी डाक्टर) को स्वास्थ्य बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

भारतीय अर्थ सेवा (इंडियन इकानॉमिक सर्विस) भारतीय सांख्यिकीय सेवा (इंडियन स्टैटिस्टिकल सर्विस) के उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर श्रेष्ठ सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के बारे में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार श्रेष्ठ सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है या नहीं।

डाक्टरों बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं किन्तु डाक्टरों बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत व्योरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां डाक्टरों बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बताने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (प्रौषधियों/शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहां डाक्टरों बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं और जब वह खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे डाक्टरों बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी रूप से अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा होती है ऐसे उम्मीदवार को और आग की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उसकी योग्यता के संबंध में अथवा वे उस नियुक्ति के लिए अयोग्य है ऐसा निर्णय अंतिम रूप से किया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :—

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्न-लिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसे साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं—

2. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागा-लैण्ड आदि जाति आदि से संबंधित हैं जिनका औसत कद दूसरों से छोटा होता है। “हां” या “नहीं” में उत्तर दीजिए और यदि उत्तर हां में हो तो उस जाति का नाम बतलाइए।

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रिथियों (ग्लेन्ड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े का बीमारी, मुछों के दोरे स्पेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है :—

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना जिनके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ता हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई हो :—

4. आप को आदि का अंतिम टीका कब लगा था ?

5. क्या आपको अधिक कार्य या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है :—

6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्योरा दें :—

यदि पिता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	यदि पिता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	--	---	---

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	यदि माता की मृत्यु हो चुकी हो तो मृत्यु के समय उसकी आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	--	--

क्या इससे पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' हो तो बताएं किस सेवा/सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी -----
परीक्षा लेने वाला अधिकारी कौन था ? -----

कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ? -----

मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम, यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो -----

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिये गये सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किये।

बोर्ड के चेयरमैन के हस्ताक्षर

नोट :—उपयुक्त कथन की यथार्थता का उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से यह नियुक्ति खो बैठने का जोखिम लेना और यदि वह नियुक्त हो भी जाये तो कार्य का नियुक्ति भत्ता (सुपर-एन्वुशन एलाउन्स) या उपदान (ग्रेजुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) ----- का शारीरिक परीक्षा की।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

सामान्य विकास :— अच्छा/माधारण

घोषणा :—

पतला ----- औसत -----

मोटा ----- कद (जूते उतार कर) -----

वजन ----- अत्युत्तम वजन -----

कब था ? ----- वजन में कोई हाल ही में हुआ

परिवर्तन -----

तापमान -----

छाती का घेर :—

(1) पूरा सांस खींचने पर -----

(2) पूरा सांस निकालने पर -----

(3) कवर विजन का दोष -----

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) -----

(5) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एक्विटी) -----

(6) फंडस की जांच -----

चश्मे की पावर

पकड़ चश्मे के बिना चश्मे से -----

गोल सिलि० अक्ष

नजर

दा० ने०

बा० ने०

दा० ने०

बा० ने०

4. कान : निरीक्षण ----- सुनना
दायां कान ----- बायां कान -----

5. ग्रंथियां ----- थाहराइड -----

6. दांतों की हालत -----

7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षा लेने पर सांस के अंगों में किसी विलक्षणता का पूरा न्योरा है।

8. परिसंचयन (सर्क्युलेटरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक क्षति (आर्गनिक लोजन)

गति (रेट)

खड़े होने पर

25 बार कुदाए जाने के बाद -----

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद -----

(ख) ब्लड प्रेशर ----- सिस्टोलिक -----

डायस्टोलिक -----

9. उदर (पेट) : घेर -----

दाब वेदना (टेंपरनेस) हानिया -----

(क) दबा कर मालूम पड़ना : जिगर -----

तिल्ली ----- गुर्दे -----

ट्यूमर :

(ख) बवासीर के मस्से -----

फिरबुला -----

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक अशक्तता का संकेत -----

11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) कोई विलक्षणता

12. जनन मूत्र तंत्र (जोनिटी यूरिनरी सिस्टम) -----

हार्डड्रोसील (बेरिकोसील आदि का कोई संकेत) -----

मूत्र परीक्षा :—

(क) कैसा दिखायी पड़ता है ?

(ख) स्पेसिफीक ग्रेविटी (अपेक्षित गुरुत्व)

(ग) हल्यूमेन

(घ) शर्करा

(ङ) कास्ट (सेल्स)

13. छाती का पट्टेक्ष (स्त्रीनिंग) एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे यह उसे सेवा को दक्षता पूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है जिसके लिए वह उम्मीदवार है।

नोट :—यदि उम्मीदवार कोई महिला है और यदि वह

12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है तो उसे विनियम 9 के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा।

15. (i) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा में दक्षतापूर्वक और निरंतर कार्य करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया है।

(ii) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है ?

नोट :—बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए।

(i) योग्य (फिट)

(ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण —————

(iii) अस्थायी रूप से अयोग्य जिसका कारण —————

स्थान ————— अध्यक्ष —————

(प्रेसीडेंट)

दिनांक

सदस्य

सदस्य

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जुलाई 1976

आवेश

सं० 27/5/76-सी० एल० 2—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 209क की उपधारा (1) के खण्ड (II) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग के प्रादेशिक निदेशक, कम्पनी विधि बोर्ड कानपुर के कार्यालय के सहायक निरीक्षण अधिकारी श्री एस० एन० गुप्ता, को धारा 209 क के प्रयोजन के लिए प्राधिकृत करती है।

बी० बी० बाबूरी, अव्वर सचिव

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 9 जुलाई 1976

सं० यू० 13019/8/76-ए० एन० एल० (I)—राष्ट्रपति, गृह मंत्रालय से संबद्ध संघ शासित क्षेत्र लक्षद्वीप की सलाहकार समिति के गठन से संबंधित तथा इस मंत्रालय की तारीख 3-9-1974 की अधिसूचना संख्या 13019/9(i)/74-ए० एन० एल० द्वारा संशोधित इस मंत्रालय की तारीख 12-1-68 की अधिसूचना संख्या 1/1(2)/67-ए० एन० एल० (i) में आगे निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

पैराग्राफ 2 (iii) में मौजूदा शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे :—

“सात गैर सरकारी सदस्य”

यह संशोधन, 1 अप्रैल 1976 से लागू होगा।

सं० यू०-13019/8/76-ए० एन० एल० (ii)—राष्ट्रपति, प्रशासक, लक्षद्वीप से संबद्ध सलाहकार परिषद के गठन और कार्यविधि को विनियमित करने वाले नियमों में जो गृह मंत्रालय की तारीख 29-6-57 की अधिसूचना संख्या 71/36(2)(i)/57-ए० एन० एल० में प्रकाशित किए गए थे और गृह मंत्रालय की तारीख 6-3-68 की अधिसूचना संख्या 1/1(i)/67-ए० एन० एल०; तारीख 6-8-68 की संख्या 1/1(3)/68-ए० एन० एल० (ii); तारीख 11-8-71 की संख्या 51/2/71-ए० एन० एल०

(ii) और तारीख 3-9-74 की संख्या 13019/9(ii)/74 ए० एन० एल० द्वारा संशोधित किए गए थे, आगे निम्नलिखित संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

उक्त नियमों के नियम (i) (iv) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“ग्यारह अन्य गैर-सरकारी सदस्यों, मिनीकाय को छोड़ कर प्रत्येक आबादी वाले द्वीपसमूह से एक-एक और मिनीकाय से दो को प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल, से एक वर्ष की अवधि के लिए राष्ट्रपति द्वारा नामित किया जाना है।”

यह संशोधन अप्रैल, 1976 के पहले दिन से लागू होगा।

सं० यू०-2-13019/8/76-ए० एन० एल० (ij)—राष्ट्रपति गृह मंत्री से संबद्ध संघ शासित क्षेत्र लक्षद्वीप की सलाहकार समिति में निम्नलिखित गैर-सरकारी सदस्यों को 31-3-1977 तक की अवधि के लिए नामित करते हैं :—

1. श्री के० नत्ताकोया, अंदरोथ।
2. श्री एम० पी० चैरियाकोया, काबारट्टी।
3. श्री बी० मुथुकोया, अंदरोथ।
4. श्री बी० अली मनिक्फन, मिनीकाय।
5. श्री धूपियाककल कोया, अमीनी।
6. श्री पापड्डा मोहम्मद मालमी, अगट्टी।
7. श्रीमती टी० सैदाबी, चेटलट।
8. श्री पी० पी० हमजा कोया, कालपेनी।

श्री बी० मुथुकोया सरकारी समितियों का प्रतिनिधित्व भी करेंगे।

सं० यू०-13019/8/76-ए० एन० एल० (iv)—राष्ट्रपति, निम्नलिखित गैर-सरकारी सदस्यों को प्रशासक, लक्षद्वीप से संबद्ध सलाहकार परिषद में 31 मार्च 1977 तक की अवधि के लिए नामित करते हैं :—

1. कुमारी पी० पी० दोलथ, अंदरोथ।
2. डा० के० के० मोहम्मद कोया, कालपेनी।
3. श्री एस० एम० के० थेंगल, काबारट्टी।
4. श्री पन्निकम शेक कोया, अमीनी।
5. श्री सी० सैयद बुहारी, बिजा।
6. श्री कुन्नानगलम अन्नू कोया, किततन।
7. श्री के० डोम मनिक्फन, मिनीकाय।
8. श्री पालम मोहम्मद, कदमत।
9. श्री बी० अब्दुल कादर, चेहलट।
10. श्री शिकाबुद्दीन हाजी, अगट्टी।
11. श्री डब्ल्यू० हूसैन अली, मिनीकाय।

केशव चन्द्र पांडेय, संयुक्त सचिव

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1976

सं० एफ० 2(25)-एन० एस०/75—राष्ट्रपति एतद्वारा डाकघर (सावधि जमा) नियमावली, 1970 में और संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को डाकघर (सावधि जमा) (दूसरा संशोधन) नियमावली, 1976 कहा जायगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. डाकघर (सावधि जमा) नियमावली, 1970 के नियम 11 के पश्चात् निम्नलिखित नियम जोड़ दिया जाए, अर्थात् :—

“11 क समय से पहले खाता बन्द करना

(1) सावधि जमा खाता खुलवाने की तारीख से एक की अवधि की समाप्ति के पश्चात्, रकम जमा करवाने वाला खाते को समय से पूर्व बंद करवाने के लिए कह सकता है और ऐसे मामलों में जमा रकम, ब्याज की रकम के साथ, जिसके हिसाब का तरीका नीचे दिया गया है, वापस दे दी जायगी :—

(क) समय से पूर्व खाता बंद करवाने के लिए दिए गए आवेदन पत्र की तारीख से जिस पूरे वर्ष के लिए डाकघर के पास रकम जमा रही हो उसको देखते हुए नियम 11 में जो दर लागू है उस दर से प्रतिशत कम दर पर ब्याज दिया जायगा।

(ख) समय से पूर्व खाता बंद करवाने के लिए दिए गए आवेदन पत्र की तारीख से जिस पूरे वर्ष के लिए डाकघर के पास रकम जमा रही हो उस पर धारा (क) में उल्लिखित दर से ब्याज दिया जायगा। परन्तु, अगर रकम ऐसे पूरे वर्ष से छः महीने अथवा इससे अधिक अवधि के लिए डाकघर के पास जमा रही हो तो ऐसी रकमों पर आधे वर्ष का ब्याज और दिया जायगा।

(2) जमा की ऐसी रकमों पर ऊंची दर से जो पहले ब्याज दिया जा चुका हो उसे मूलधन की रकम में से घटा दिया जायेगा और इस नियम के अंतर्गत देय ब्याज की रकम ही दी जायगी। समय से पूर्व खाते बंद करवाने के ऐसे खातों पर केवल निवल शेष रकम ही वापस दी जायगी।”

ए० बी० श्रीनिवासन, अव्वर सचिव

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(परिवार नियोजन विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1976

संकल्प

सं० 11-20/73-प्रशिक्षण—जीव-विकास अनुसंधान समन्वय समिति में, जो 29 जनवरी 1976 के संकल्प संख्या 11-20/73-प्रशिक्षण के अनुसार गठित की गई थी, निम्नलिखित अन्य सदस्यों को सहयोजित करने का भी निश्चय किया गया है :—

13. स्वदेशी चिकित्सा पद्धति के सलाहकार

14. होम्योपैथी के सलाहकार

संकल्प में श्रम संख्या 2 पर श्रुति श्री ए० चन्द्रशेखर, सदस्य के पदनाम में संशोधन कर उसे 'विशेष सचिव' पढ़ा जाए।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

सरला प्रेवाल, संयुक्त सचिव एवं आयुक्त
(१० नि०)

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1976

संकल्प

सं० 44/1/76-प्रशासन-1—केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधान पूना के कार्य तथा संगठनात्मक पहलुओं पर विचार करने के लिए गठित की गई समिति के सम्बंध में इस मंत्रालय के 15 अप्रैल 1976 के संकल्प संख्या 44/1/76-प्रशासन-I में

(I) पैरा 4 में वर्तमान प्रविष्टि क्रम संख्या (2) के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित करें :—

“श्री डी० बी० आनन्द, आई०एस०ई० (सेवा-निवृत्त) भूतपूर्व अध्यक्ष केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग—सदस्य”

(II) पैरा 4 में वर्तमान प्रविष्टि क्रम संख्या 8 को (10) के रूप में पुनः संख्याकित किया जाए और इसके पूर्व निम्नलिखित को जोड़ दिया जाए :—

(8) श्री गोपाल कृष्ण डोगरा,
संयुक्त सचिव,
सिंचाई विभाग,
नई दिल्ली सदस्य

(9) श्री एस० टी० बी० राराधवन,
निदेशक (आई० एण्ड पी०)
वित्त मंत्रालय,
नई दिल्ली सदस्य

(III) पैरा 5 में वर्तमान प्रविष्टि संख्या (VI) को (VII) के रूप में पुनः संख्याकित किया जाए और इससे पूर्व निम्नलिखित को जोड़ दिया जाए :—

(VI) केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला में उपकरणों तथा उपस्कर के समुपयोजन की जांच करना।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि उपर्युक्त संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

गोपाल कृष्ण डोगरा, संयुक्त सचिव

CABINET SECRETARIAT
DEPARTMENT OF CABINET AFFAIRS

New Delhi, the 9th July 1976

No. 26/1/76-EC.—The President is pleased to decide that the following amendment be made in the Government of India, Department of Cabinet Affairs Resolution No. 26/7/70-EC, dated 1st February, 1971, setting up the Electronics Commission :—

- (1) Paragraph 8—Substitute the following for the existing paragraph—

“8 MEMBER FOR FINANCE—

The Member for Finance shall exercise the powers of the Government of India in financial matters concerning the Department of Electronics except in so far as such powers have been, or may in future be, conferred on or delegated to the Department”.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries/Departments of the Government of India and all the State Governments/Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

J. S. MONGIA, Joint Secy.

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND
ADMINISTRATIVE REFORMS

New Delhi, the 8th July 1976

No. 12/6/76-CS.II.—In rule 4 of the Rules for the Grade III Stenographers' Examination, 1976, as published in the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) Notification No. 12/6/76-CS.II, dated the 29th May, 1976, in Part I, Section I of the Gazette of India, the following amendments shall be made :—

- (i) item (b)—“a subject of Sikkim”—shall be deleted, and, items (c) to (f) shall be renumbered as items (b) to (e);
- (ii) in the proviso for the words and letters “categories (c), (d), (e) and (f)” the words and letters “categories (b), (c), (d) and (e)” shall be substituted;
- (iii) in clause (iii) of the paragraph occurring after the said proviso for the word and letter “category (f)” the word and letter “category (c)” shall be substituted.

K. B. NAIR, Under Secy.

New Delhi-110001, the 31st July 1976

RULES

No. 11013/2/76-IES.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1977 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

- (i) The Indian Economic Service, and
- (ii) The Indian Statistical Service.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; The Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971], the Constitution

(Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968, and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. (a) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 26 years on 1st January, 1977 i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1951 and not later than 1st January, 1956.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Schedule Caste or a Schedule Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 30th April, 1977.

Note II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission.

Note III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

8. Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date, if a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along with the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's Office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the

Commission's Office after the closing date will not be considered.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva voce*.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes, and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

16. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

18. No person :

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix II.

B. L. MATHURIA,
Under Secretary.

APPENDIX-I

SECTION-I

The competitive examination for the Indian Economic Service and the Indian Statistical Service comprises :—

(I) Written Examination in—

- (i) compulsory subjects as set out in Sub-Sections (A) (a) and (B)(a) respectively of Section II below carrying a maximum of 700 marks.
- (ii) A selection from the optional subjects set out in Sub-Sections (A) (b) and (B) (b) respectively of Section II below. Subject to the provisions of those Sub-Sections, candidates must take optional subjects up to a total of 400 marks for each Service.

(II) *Viva-voce* (vide Part B of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

SECTION-II

Examination Subjects

(A) The Indian Economic Service

(a) Compulsory subjects [vide Sub-Section (I) (i) of Section I above].

	Maximum Marks
(1) General English	150
(2) General Knowledge	150
(3) Economics I	200
(4) Economics II*	200

(b) Optional subjects [vide Sub-Section (i)(ii) of Section I above].

	Code No.	Maximum Marks
Statistics I	03	200
Statistics II*	04	200
Comparative Economic Development	05	200
Money and Public Finance	06	200
Rural Economics and Co-operation	07	200
International Economics	08	200
Mathematical Economics and Econometrics	09	200
Sample Surveys	10	200
Industrial Economics	11	200
Theory and Practice of Trade	12	200
Business Finance and Accounts	13	200
Business Management and Commercial Law	14	200

Provided that no candidate shall be allowed to offer both "International Economics" (08) and "theory and Practice of Trade" (12).

"In this subject there will be separate papers on each of the following five branches, viz., (i) Industrial Statistics, (including statistical quality control), (ii) Economic Statistics, (iii) Educational Statistics (including Psychometry), (iv) Genetical Statistics and (v) Demography and Vital Statistics, of which a candidate is required to choose any two. Each paper will carry a maximum of 100 marks.

(B) The Indian Statistical Service.

(a) Compulsory Subjects [Vide Sub-Section (I)(i) of Section I above].

	Maximum Marks
(1) General English	150
(2) General Knowledge	150
(3) Statistics I	200
*(4) Statistics II	200

(b) Optional subjects [vide Sub-section (i)(ii) of Section I above.]

	Code No.	Maximum Marks
Economics I	01	200
Economics II	02	200
Comparative Economic Development	05	200
Mathematical Economics and Econometrics	09	200
Sample Surveys	10	200
Advanced Probability and Stochastic Processes	15	200
Statistical Inference	16	200
Design of Experiments	17	200
Pure Mathematics I	18	200
Pure Mathematics II	19	200
Pure Mathematics III	20	200
Applied Mathematics	21	200

"In this subject, there will be separate papers on each of the following five branches, viz. (i) Industrial Statistics (including statistical quality control). (ii) Economic Statistics (iii) Educational Statistics (including Psychometry), (iv) Genetical Statistics and (v) Demography and Vital Statistics, of which a candidate is required to choose any two. Each paper will carry a maximum of 100 marks.

NOTE—The standard and syllabi of the subjects mentioned in this Section are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

SECTION-III

General

1. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

2. There will be one paper of three hours' duration in each of the subjects referred to in Section II above, except in the subject Statistics II. In Statistics II, there will be five papers, each of 1½ hours' duration vide Note under this subject in Part A of the Schedule to this Appendix.

3. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

5. For the Indian Economic Service, the papers in the optional subjects and in the following compulsory subjects, viz., General English and General Knowledge of only such candidates will be examined and marked as attain such minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion at the written examination in the following compulsory subjects, viz., Economics I and Economics II.

For the Indian Statistical Service, the papers in the optional subjects and in the following compulsory subjects viz. General English and General Knowledge of only such candidates will be examined and marked as attain such minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion at the written examination in the following compulsory subjects, viz., Statistics I and Statistics II.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

9. Candidates are expected to be familiar with the metric system of weights and measures. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of metric system of weights and measures may be set.

SCHEDULE

PART-A

The standard of papers in English and General Knowledge will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

GENERAL ENGLISH

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or precis.

GENERAL KNOWLEDGE

The paper will consist of two parts.

In the first part candidates will be required to answer questions designed to test their knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. Questions may also be set on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

In the second part candidates will be required to answer question designed to test their ability to deal with facts and figures and to make logical deductions therefrom, their capacity to perceive implications, and their ability to distinguish between the important and the less important.

ECONOMICS I.—(Code-01)

Scope and methodology.

Equilibrium analysis.

Theory of consumers' demand. Indifference curve analysis. Revealed preference approach. Consumer's surplus.

Theory of production. Factors of production. Production functions. Laws of returns. Equilibrium of the firm and the industry.

Pricing under various forms of market organisation. Pricing in a socialist economy. Pricing in a mixed economy.

Public utilities : economic characteristics of public utilities; price determination in public utilities, regulation of public utilities.

Theory of distribution. Pricing of factors of production. Production Theories of rent, wages, interest and profit. Macrodistribution theory. Share of wages in national income. Profits and economic progress. Inequalities in income distribution.

Theory of employment and output—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment. Post-Keynesian developments.

Economic fluctuations Theories of business cycle. Fiscal and monetary policies for control of business cycles.

Welfare economics : scope of welfare economics: classical and neo-classical approaches; New welfare economics and the compensation principles; optimum conditions; policy implications.

ECONOMICS II.—(Code—02)

Concept of economic growth and its measurement. . .

Social accounts; national income accounts; flow of funds accounts; input-output accounting.

Social institutions and economic growth. Characteristics and problems of developing economies. .

Population growth and economic development

Theories of growth. Growth models.

Planning—Concept and methods. Planning under Capitalist and Socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional planning. Investment criteria and choice of techniques; Cost-benefit analysis. Planning models.

Planning in India Evolution of Planning. Five Year Plans Objectives and techniques Problems of resources mobilization, administration and public co-operation. Role of monetary and fiscal policies; price policy, controls and market mechanism. Trade policy and Balance of payments. Role of public enterprises.

STATISTICS I.—(Code—03)

Different types of numerical approximations; finite differences, standard interpolation formulae and their accuracies; inverse interpolation, Numerical methods of differentiation and integration.

Definition of probability. Classlall approach axiomatic approach. Simple space. Laws of total and compound probability. Conditional probability. Independent events. Bay's formula. Random variables probability distributions; Mathematical expectation. Moment generating functions and characteristic functions. Inversion theorem. Tchebychev's inequality. Conditional distributions. Laws of large numbers and central limit theorems.

Standard distribution : Binomial, Poisson. Normal Rectangular. Exponential. Negative binomial. Hypergeometric Cauchy. Laplace, Beta and Gamma distributions. Bivariate and Multivariate normal distributions.

Large and small sample theory : Asymptotic sampling distributions and large sample tests. Standard sampling distributions such as t , x^2 , F , and tests of significance based on them. Association and analysis of contingency tables.

Correlation coefficient and its distribution; Fisher's 'Z' transformation. Regression, linear and polynomial; multiple regression—partial and multiple correlation coefficient including their distributions in null cases intra class correlation. Curve fitting and orthogonal polynomials.

Analysis of variance. Theory of linear estimation, two-way classification with interaction. Analysis of covariance. Basic principles of design of experiments. Layout and analysis of common designs such as randomised blocks. Latin square Factorial experiments and confounding Missing plot techniques.

Sampling techniques : Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling. Ratio and regression estimates. Cluster sampling, multistage sampling and systematic sampling. Non-sampling errors.

Estimation : Basic concepts. Characteristics of a good estimate. Point and interval estimates Maximum likelihood estimates and their properties.

Tests of hypotheses. Statistical hypotheses. Simple and composite. Concept of a statistical test. Two-kinds of error Power function. Likelihood ratio tests. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

Common non-parametric test such as sign test median test and run test, Wald's sequential probability ratio test OC & ASN functions and their approximations.

STATISTICS II.—(code—04)

NOTE :—In this subject, there, will be separate papers on each of the following five branches, viz. (i) Industrial Statistics (including Statistical Quality Control), (ii) Economic Statistics, (iii) Educational Statistics (including Psychometry), (iv) Genetical Statistics, and (v) Demography and Vital Statistics.

Candidates offering this subject, whether as a compulsory or as an optional subject are required to choose any two of the above papers, which they must indicate in their application. No change in the selection of papers once made will be allowed.

(i) Industrial Statistics (including Statistical Quality Control)

Theoretical basis of quality control in industry, Tolerance limits. Different kinds of control charts— \bar{X} , R charts, p and c charts, group control charts.

Acceptance sampling Single, double multiple and sequential sampling plans OC and ASN functions. Sampling by attributes and by variables. Use of Dodge-Romig and other tables.

Design of industrial experimentation. Use of regression techniques and analysis of variance techniques in industry.

Applications of Operational research techniques including linear programming in industry.

(ii) Economic Statistics

Index numbers of prices and quantities. Different types of index numbers e.g. index numbers of wholesale prices and cost of living index numbers Theory of index numbers.

Income distributions. Pareto and other curves. Concentration curves and their uses.

National Income. Different sectors of national income. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Problems of regional income estimates Inter-industry table Applications of input-output analysis and linear programming.

Analysis and interpretation of economic time series. The four components of an economic time series. Multiplicative and additive models. Trends determination by curve fitting and by moving average method. Determination of constant and moving seasonal indices. Auto-correlation, periodogram analysis, tests of randomness.

Theory of consumption and demand, demand function, elasticities of demand, statistical analysis of demand with the help of time series and family budget data.

(iii) Educational Statistics (including Psychometry)

Scaling of test items. Scores, standard scores, normal scores. T and C scales, stanine scale, percentile scale.

Mental tests. Reliability and validity of tests. Different methods for computing reliability. Index of reliability. Procedures for determining validity. Validation of a test battery. Speed versus power tests.

Factor Analysis Item analysis. Use of correlation methods in aptitude tests.

Measurement of learning and forgetting. Learning models. Attitude and opinion measurement. Measurements of group behaviour.

(iv) Genetical Statistics

Physical basis of heredity. Mendel's laws. Linkage Analysis of segregation, detection and estimation of linkage.

Polygenic inheritance Components of phenotypic variation Estimation of heritability. Selection Basis of selection. Progeny testing. Selection for combination of characters.

Population genetics. Gene frequency. Inbreeding. Random mating. Linkage disequilibrium.

Elements of human genetics, Study of blood groups, disease traits and aberrations.

(v) Demography and Vital Statistics

The life table, its construction and properties. Makeham's and Comperz curves. Derivation of annual and central rates of mortality. National life tables. U.N. model life tables. Abridge life tables, Stable population. Stationary population.

Crude fertility rates, specific fertility rates gross and net reproduction rates; family size; crude mortality rate, infant mortality rates; Mortality by cause of death: Standardised rates.

Internal and international migration; net migration; backward and forward survivorship ratio methods.

Demographic transition; Social and economic determinants of population.

Population projections. Mathematical and Component methods. Logistic curve fitting.

COMPARATIVE ECONOMIC DEVELOPMENT (Code—05)

A comparative and historical study of modern economic development under different social systems with special reference to India, Japan, France, U.K., USA, and USSR. The candidates will be expected to make a critical appraisal of the historical evolution and operational features of the various types of economics e.g. market-oriented free enterprise economy centrally planned economy and their variations, particularly from the point of view of the lessons that they have for developing economics.

MONEY AND PUBLIC FINANCE (code—06)

Nature and functions of money. Value of money. Money, output and prices. The multiplier and the process of income generation. Trade cycles and prices movements. Inflation.

Objectives and mechanism of monetary policy. Bank rate and open market Operations. Central Bank techniques: general and selective credit controls. Monetary policy in a developing economy. Money and capital markets in developed and developing economies. Organisation of the Indian money market.

Public finance: nature, scope, importance and objectives.

Theory of taxation; effects and incidence of taxation. Taxable capacity and double taxation. Effects and importance of public expenditure. Fiscal policy for full employment and economic development. Deficit financing. Revenue from public enterprises.

Theory of public debt. Internal and foreign loans, debt management.

Theory of federal finance.

RURAL ECONOMICS AND CO-OPERATION (Code—07)

Role of agriculture in economic development.

Agricultural production and resources use, production functions, returns to scale, cost and supply curves; factor combination and selection of techniques under uncertainty. Crop planning.

Factor markets: Land market, land value and rent. Labour market, wages and employment, unemployment and under-employment. Capital market, savings and capital formations.

Commodity demands; demand for food.

International trade in agricultural commodities—prices, tariffs, commodity agreements. International programmes for agricultural development.

Problems of Indian rural economy. Agricultural holdings. Land utilisation Cropping pattern. Problems of agricultural inputs, land tenure reforms. Community Development and Panchayati Raj. Agricultural Labour. Subsidiary occupations and rural industries. Rural indebtedness. Agricultural credit. Agricultural marketing and price spread. Commodity demands and demand for food. Price support and stabilisation. Taxation of agricultural land and income. Growth rate in Indian agriculture under planning.

Agriculture in Five Year Plans. Major programmes of agricultural development.

Co-operation: Principles origin and development. Comparative study of co-operation in India and abroad. Structure Organisation and working of various types of co-operative institutions in India. Role of these institutions in the rural economy. The State and the co-operative movement. Role of the Reserve Bank of India.

INTERNATIONAL ECONOMICS (code—08)

International trade. Theories of international trade. Gains from trade. Terms of trade. Trade policy. International trade and economic development. Theory of tariffs. Quantitative trade restrictions. Customs unions. Free trade areas. European Common Market.

Balance of payments. Disequilibrium in balance of payments. Mechanism of adjustments. Foreign trade multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls. Trade agreements. Key currency standard. External and internal balance.

International institutions. International liquidity and I.M.F. International monetary reforms. Secular trends in terms of trade of developing countries. Export instability and stabilisation of commodity prices. G.A.T.T. Movements of international capital private and public. International aid for economic growth. I.B.R.D. and its affiliates. Asian Development Bank.

MATHEMATICAL ECONOMICS AND ECONOMETRICS

(code—09)

Role of mathematics and statistics in economics: Measurement in economics. Role of mathematics in economics. Statistical methods and techniques of inference in measuring economic relationships.

Demand analysis: General theory and measurement of demand; dynamic and static demand functions. Interrelated demand and supply functions under conditions of planning methods of estimation of demand and supply relationships. Demand projections and short term outlook for prices and demand.

Production functions: Concept of production and transformation functions methods of fitting production functions; mathematical methods of production planning and control.

Linear programming: Activity analysis; linear programming and its applications. Input-output analysis; elements of game theory—their application in economic planning.

Mathematical models of Keynesian and classical economics: Concept of multiplier; acceleration principle. Equilibrium analysis; equilibrium of the consumer, stability conditions, effect on demand of increase in income and prices, complements and substitutes. Market demand: equilibrium of exchange, equilibrium of the firm. Equilibrium of production and exchange in the economy generalized law of demand and supply.

Concept of structure and model; Different concepts of structure—distinction between structure and model. Estimation of parameters in single equation and simultaneous equation models.

Planning models: Different types of growth models, capital output ratios and their use in economic planning. Planning models. Long term projections and perspective; short term economic forecasting.

SAMPLE SURVEYS (code—10)

Place of sampling in census and survey work. Concept of frame and sampling unit.

Sampling techniques: Random sampling stratified sampling choice of strata, multistage sampling, cluster sampling, systematic sampling, double sampling, variable sampling, fraction sampling with the probability of proportional to size multiphase sampling, inverse sampling.

Estimation procedures: Estimates of population total and mean, of bias in estimates; standard error of estimates. Ratio regression and product estimates.

Optimum designs: Cost and variance functions. Use of pilot surveys. Optimum size and structure of sampling units. Optimum allocation in stratified. Multiphase and multistage designs. Optimum replacement fraction in repetitive surveys.

Non-sampling errors and their control, theory of non-response, inter-penetrating samples.

Design and organisation of pilot and large scale sample surveys. Operational procedures for drawing samples; use of random sampling numbers; various methods of drawing p p s samples. Procedures of collection and tabulation of data. Analysis of survey data and preparation of reports.

INDUSTRIAL ECONOMICS (code—11)

Industry. Structure of competitive industry. Theory of the size of an industrial unit. Theory of industrial location. Regional development of industry. Industrial integration. Combination and monopoly.

Problems of industrial production. Productivity—concept and measurement. Techniques of raising productivity. Cost structure and pricing policies.

Structure of Indian industry—size, location, integration and regional balance.

Problems of Indian Industry—finance; inputs; utilisation of capacity. Industrial policy. Private and public sectors. Industrial licensing. Foreign capital and technical collaboration.

Problems of public enterprises—organisation, management, control and accountability.

Problems of small scale industries and Industrial Estates.

Labour and economic development. Labour productivity and incentives. Industrial relations in India. Organisation and structure of trade unions. Trade Unions and the State. Settlement of industrial disputes. Minimum and fair wages. State regulation of wages and working conditions. Labour welfare.

THEORY AND PRACTICE OF TRADE (Code—12)

Marketing. The concept of marketing characteristics of a market. Marketing functions : marketing process, concentration and dispersion, buying, Selling, transportation, storage, grading and finance. Customer behaviour and decision. Marketing information and research Channels of distribution. Marketing cost and efficiency. Sales forecasting and planning, Sales promotion; advertising and salesmanship, State regulated marketing.

Marketing in India, Marketing of agricultural produce and manufactured products. Organised markets in India—Stock exchanges and produce exchanges, their functions and processes. State policy; governmental marketing organisations and State trading.

Foreign trade. Characteristics of an international market. Special problems of foreign trade as distinct from domestic trade; transport; finance and insurance; risks in respect of credit exchange fluctuations and transfer of payments. Documents used in foreign trade. Organisation and structure of export and import houses. Techniques of import and export control.

Chief feature of India's foreign trade—Commodity composition value and direction. Operation of export and import controls during the last ten years. Licencing procedures and criteria Foreign trade finance. Export Risks Guarantee System. Methods of export promotion adopted in recent years. India's trade agreement, Functions of the State Trading Corporation.

BUSINESS FINANCE AND ACCOUNTS (Code—13)

Financial needs of modern industry. Sources of industrial finance in India. Indian capital market. Institutional financing. Foreign capital; Sources interest rates and terms of repayment.

Budgeting capital requirements of a firm. Optimal capital structure. Sources and use of funds in a firm; Self-financing. Depreciation policy. Reserves and dividends. Taxation and financial policy.

Capital budgeting. Preparation, analysis and interpretation of financial statements. Valuation of goodwill and shares. Preparation of schemes of reconstruction, amalgamation and absorption; recording the effect in books of account.

Preparation of costing statements, treatment and control of overheads, Principles of budgetary control. Standard costing. Reconciliation of financial and cost accounts.

BUSINESS MANAGEMENT AND COMMERCIAL LAW (Code—14)

The management process and managerial functions. Formulation of policy and goals of enterprise. Leadership and moral; control and decision-making. Authority relationships Delegation of authority levels of authority and responsibility span of control. The role of the supervisor. Problems of communication and motivation.

Production and inventory control. Quality control, Time and motion study. Plant layout and work measurement.

Managerial problems in marketing operations, Selection and control of channels of distribution; product line, pricing and sales promotion policy. Demand analysis and advertising.

Personnel management. Problems of selection, placement, promotion, transfer and retirement. Job evaluation and merit rating. Union-management relations.

Legal framework of business activities in India.

Law relating to contracts and companies.

ADVANCED PROBABILITY AND STOCHASTIC PROCESS (Code—15).

(a) Advanced Probability.—Probability as measures; random variables; decomposition of distribution functions; expectation of a random variable; the conditional probability and conditional expectations; convergence of sequences and some of independent random variables; Kolmogorov's inequality; strong and weak laws of large numbers; convergence in distribution; Theorems of convergence and continuity; Characteristic functions Uniqueness theorem; inversion formula; central limit theorems; Problem of moments.

(b) Stochastic Processes

Definition and classification of stochastic processes.

Stochastic process as a family of real valued random variables indexed by an ordered set (discrete or an interval of the real time). The class of finite dimensional distribution functions and statement of Kolmogorov's Consistency theorem.

Various types of dependence among the random variables : independence, independent increments, martingales. Markov dependence, wide and strict sense stationarity.

Markov Processes

Strictly stationary Markov process with discrete parameter and with finite and denumerable statespaces (also called Markov chains); transition probability matrices; classification of states and classes of states.

Markov process with continuous parameter and discrete state space : Kolmogorov forward and backward equations : Simple time dependent stochastic processes regarding population growth; Poisson process; Pure birth process; Birth and death process (complete solution in the case of linear processes of the two latter types).

Wide sense stationary process with discrete parameter.

Covariance function; spectral representation of the covariance function and of the process; examples of correlation functions of stationary processes; linear prediction of stationary processes; examples in the case of general rational spectral density.

STATISTICAL INFERENCE (Code—16)

NOTE : Candidates will be required to answer questions from Sections 'A' and 'B' or Section 'A' & 'C'.

A.(i) Estimation

Different methods of estimation : method of maximum likelihood method of minimum-chi-square. method of moments, methods of least squares; asymptotic properties of maximum likelihood estimators. Cramer-Rao inequality and its generalization to the multiparametric case. Bhattacharya bounds. Sufficient Statistics; Factorization theorem. Pitman-Koopman-Darmois form of distributions, minimal set of sufficient statistics. Rao-Blackwell theorem. Complete family of probability distributions, complete statistics. Lehmann Scheffe' theorem on minimum variance estimation.

(ii) Testing of hypotheses

Neyman-Pearson theory of testing of hypotheses. Randomized and non-randomized tests.

Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma Unbiasedness, consistency and efficiency of tests. Similar regions, tests with locally optimum properties. Type A, A1, B, C and D critical regions. Relationship between notions of completeness and similarity. Likelihood-ratio principle of test construction and some of its applications Bartlett's test for homogeneity of variances.

(iii) Non-parametric tests.

Order statistics; Small sample and large sample distribution theory, distribution-free confidence intervals for quantiles. Distribution-free tests for

(i) Goodness of fit : chi-square test, Kolmogorov-Smirnov test.

(ii) Comparison of two populations : Run test, Dixon's test, Wilcoxon's test, Median test, Sign test. Fisher-Pitman test.

(iii) Independence : contingency, chi-square, Spearman's and Kendall's rank correlation coefficients.

Large sample properties of non-parametric test. U-statistics and their limiting distributions.

B. Decision Functions

Statistical game and principles of choice associated with it. Formulation of statistical problems as a statistical game, decision functions, randomized and non-randomised decision

rules. Minimax, Bayes and minimum regret decision rules. Admissible and minimax tests. Admissible and minimax estimates under square error loss function. Minimal complete class of tests.

Principle of sufficiency and principle of invariance. Huntstein theorem. Minimax invariant decision rules.

C. Multivariate Analysis

Multivariate Normal Distributions. Estimation mean vector and covariance matrix; Distribution of Sample mean vector and inference relating to mean vector with unknown matrix; Hotelling's Tests based on T^2 ; Power functions of T^2 and F ; Optimum properties of T^2 ; Partial and multiple regression coefficients in normal correlation; Behren's—Fisher problem; Wishart distribution; Reproductive property of Wishart; Generalised analysis variance; Mahalanobis's D^2 Discriminant function; Principle component analysis; Canonical variates and canonical correlation; equality of several covariance matrices.

DESIGN OF EXPERIMENTS (Code—17)

Principles of experimentation: randomisation, replication and error control. Techniques for error control; choice of size, shape and structure of experimental units grouping of experimental units.

Basic assumptions of analysis of variance. Effects of non-additivity, variance heterogeneity and non-normality. Transformation. Pure and mixed models. Use of concomitant variables. Covariance analysis.

Construction and analysis of incomplete block designs (with and without recovery of inter block information), lattice designs partially balanced incomplete block designs Hyper-Graeco-Latin Squares and other designs for elimination of heterogeneity in several directions.

Construction of factorial designs and their analysis: confounding in symmetrical factorial experiments: total and partial; balanced confounding. Confounding of main effects split plot, strip-plot and other designs. Fractional replication. Experiments with qualitative and quantitative factors.

Techniques for analysis for experiments with missing or mixed up yield. Analysis of non-orthogonal data. Combination of results of groups of experiments. Response curves and standardisation of response.

PURE MATHEMATICS I (Code—18)

Functions of a real variable: Construction of system of real numbers from rational numbers by Dedekind's method. Bounds and limits of sequences and functions. Convergence point-wise and uniform of sequences, infinite series and infinite products.

Metric-spaces: open and closed sets, continuous functions and homomorphism: convergence and completeness, theorem on nested closed sets in complete metric spaces. Compactness for metric spaces and euclidean spaces. Uniform continuity and Arzel's theorem. Connected sets in metric spaces.

Differentiability of functions, of one and several real variables. Mean value theorems. Taylor expansion of functions of one and more variables. Extreme values of functions including method of Lagrange multipliers. Implicit and inverse function theorems. Functional dependence and Jacobian.

Riemann integration, mean value theorems of integral calculus. Improper integrals. Convergence of integral. Differentiation and integration under the integral sign. Line and surface integrals. Multiple integrals. Green's and Stokes theorems.

Measure Theory: Lebesgue measure, measurable sets and their properties. Measurable functions. Lebesgue integral of bounded functions over sets of finite measure. The integral of a non-negative function. The general Lebesgue integral. Convergence in measure. Fatou's lemma. Monotone, dominated and bounded convergence theorems. Vital covering theorem. Functions of bounded variation. Absolutely continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus, Stieltjes-integral.

Function of a complex Variable: Analytic functions. Cauchy Riemann equations. Integration of complex functions. Cauchy's fundamental theorem and integral formulae, Morera's theorem. Taylor and Laurent expansions. Zeros and poles. Singularities. The Residue Theorem and its applications. Argument principle. Rouches theorem. Maximum modulus principles and Schwarz lemma.

Bilinear transformations. Conformal representation.

Doubly periodic functions. Weierstrass's functions. Jacobi's S_n , C_n , D_n functions. Elliptic integrals.

PURE MATHEMATICS II (Code—19)

Modern Algebra including Matrices and Determinants—Semigroups and groups; Isomorphism, Transformation group Cayley's theorem. Cyclic groups, Permutations; even and odd permutations. Coset decomposition of groups. Lagrange's theorem. Invariant subgroups and factor groups. Homomorphism and Automorphism. Conjugate elements. Normal series, composition series and Jordan—Holder theorem.

Rings: Integral domain. Division rings. Fields, Matrix rings. Quaternions. Sub rings, Ideals: maximal, Prime and principal ideals. Unique factorization domains. Difference rings. Ideals and difference rings of integrals, Formal's theorem Homomorphism of rings.

Field extensions algebraic and transcendental field extensions. Elements of Galois theory and its applications to solution of equations by radicals.

Vector spaces over a field. Sub spaces and their algebraic linear independence basis dimension. Factor spaces. Isomorphism of vector spaces.

System of linear equations. Rank of a matrix. Equivalence relations on matrices elementary matrices, row equivalences, equivalence, similarity.

Linear transformations on vector spaces, their rank and nullity. Dual spaces and dual basis. Linear, bilinear and quadratic forms. Rank and signature. Reduction of a quadratic form to canonical form and simultaneous reduction of two quadratic forms.

Determinant functions. Its existence and uniqueness. Laplace's method of expanding a determinant. Product of two determinants. Binet-Cauchy formula. Characteristics and minimal polynomials; eigen values and eigen vectors. Cayley-Hamilton theorem. Diagonalization theorems. n -dimensional geometry—Elements of the geometry of n -dimension. Desargues theorem. Degrees of freedom of linear spaces. Duality. Parallel lines: Elliptic hyperbolic, euclidean and projective geometries. Line normal to $(n-1)$ flat. System of n -mutually orthogonal lines. Distances and angles between flat spaces.

Convex sets and convex cones. Convex hull. Theorems on separating hyperplanes. Theorem that a closed convex set which is bounded from below has extreme points in every supporting hyperplane. Convex hull of extreme points. Convex polyhedral cones. Linear transformations of regions.

Differential geometry.—Curves in space. Envelopes, Developable surfaces. Developable associated with a curve Curvilinear coordinates on a surface. First and second fundamental forms. Curvature of normal section. Lines of curvature. Conjugate systems. Asymptotic lines. The equations of Gauss and of Codazzi. Geodesics and Geodesic parallels. Ruled surfaces.

PURE MATHEMATICS III (Code—20)

Numerical Analysis and Difference Equations.—Finite differences. Interpolation. Extrapolation. Inverse interpolation. Numerical differentiation and numerical integration. Solution of difference equations of the first order. General properties of the linear difference equation. Linear difference equations with constant coefficients.

Solution of ordinary differential equations. Methods of starting the solution and continuing the solution. Simultaneous linear equation and their solution. Roots of polynomial equations. Solution of simple problems of relaxation method. Nomograms.

Differential equations.—Existence theorem for the solution of $dy/dx=f(x, y)$.

First order linear and non-linear equations. Linear equations with constant coefficients. Homogeneous linear equations. Second order linear equations. Frobenius method of integration in series. Solutions of Legendre, Bessel and Hermite equations. Elementary properties of Legendre and Hermite polynomials and Bessel functions. Systems of simultaneous linear equations. Total differential equations with three variables.

Partial differential equations: partial differential equations of first and second order Lagrange's, Charpit's and Monge's method. Linear partial differential equations with constant coefficients. Solutions of Laplace's wave and diffusion equations by separation of variables.

Calculus of Variations.—Necessary conditions for a minimum. Derivation of the Euler-equations. Hamilton's principle. Hamiltonian. Isoperimetric problems. Variable and point problems. Minima of functions of integrals. Bolza's problems. Multiple integral problem. Direct methods in calculus of variation. Second variation and Legendre's necessary condition for a minimum.

Harmonic Analysis.—The representation of a function by Fourier series. Dirichlet integral. Riemann Lebesgue Theorem. Riemann's localization theorem. Sufficient conditions for the convergence of Fourier series (Jordan, Dini & de la vallee Poussion). Fourier integrals. Sampling theorem Power Spectrum Auto-correlation and cross-correlation.

APPLIED MATHEMATICS (Code—21)

Statistics.—Vector treatment of equilibrium of a rigid body under forces not necessarily coplanar. Central axis. Principles of virtual work. Stability. Strings under central forces, equilibrium of strings on rough and smooth plane curves Elastic strings. Attractions and potentials of a rod, disc and sphere.

Dynamics.—Newton's laws of motion. D'Alembert's principle. Rectilinear motion. Motion in two dimensions. Motion in a resisting medium. Planetary motion. Impulsive forces and impacts. Principle of momentum and energy. Degrees of freedom and constraints. Generalised coordinates. Lagrange's equations for holonomic system. Euler's dynamical and geometrical equations. Hamilton's principle. Hamilton's equations Introduction to many-body problem.

Hydrodynamics.—Eulerian and Lagrangian equations of motion. Stream lines. Vorticity and circulation and their constancy in ideal fluid.

Bernoulli's theorem and its application. Potential flow around cylinders and spheres. Blasius theorem and its application. Techniques of images and conformal transformation for solution of hydrodynamical problems. Simple properties of vortex motion, uniqueness theorem. Viscous fluid, Navier Stokes equations. Flow between parallel walls and straight pipes. Oseen and Stokes approximations. Slow motion past a sphere.

Electricity and magnetism.—Coulomb-Law. Charges, Conductors and condensers. Dielectrics. Steady currents. Magnetic effects of currents. Induced currents and fields. Maxwell equations. Electromagnetic conditions at an interface between two media. Electromagnetic potentials, stresses and energy. Poynting's theorem Joule heat. Alternating currents. Electromagnetic waves in an isotropic dielectric. Reflection and refraction of electromagnetic waves. Waves in conducting media.

Thermodynamics.—Concepts of quantity of heat, temperature and entropy. First and second laws of thermodynamics. Specific heats. Change of phase. Vapour pressure. Conduction of heat. Radiation. Planck's law Stefan's law. Thermodynamic functions and potentials. Heterogeneous system and Gibbs's phase rule.

Statistical Mechanics.—Geometry and kinematics of the phase space. Maxwell-Boltzmann Bose Einstein and Fermi-Dirac statistics.

PART B

Viva Voce.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is

to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study, also in events which are happening around him both within and without his own state or country, as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgement and alertness of mind, the ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination:

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment. Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows:

Selection Grade Rs. 2000—125/2—2250.

Grade I—Director Rs. 1800—100—2000.

Grade II—Joint Director Rs. 1500—60—1800.

Grade III—Deputy Director Rs. 1100—50—1600.

Grade IV—Assistant Director Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension for officers of the two Services will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services, Group 'A'.

8. Conditions of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the

minimum requirement prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidates height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together, and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side, and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidates will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half of a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses.

Distant vision		Near vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9	6/9		
	or		
6/9	6/12	J.I	J.II

(d) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate he should be declared unfit.

5—171GI/76

(e) *Field of vision*.—The field of vision shall be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness*.—Broadly there are two types of night blindness, (1) as a result of vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa, in (1) the fundus is normal, generally seen in younger age-group and ill-nourished persons and improves by large doses of Vit. A. in (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult, and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time consuming and required specialized set-up and equipment, and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical considerations it is for the Ministry/Department of indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other than visual acuity*.—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint*.—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye*.—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is embyopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit such persons provided the normal eye has—

(i) 676 distant vision and II near vision with or without glasses, provided the error in any meridian is not more than 4 diopters for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses*.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15-25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination, of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard, at a certain level : they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers, necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit", or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

1. Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibels in higher frequency.
2. Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decibels in speech frequencies of 1000 to 4000.

3. Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.

(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.

(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.

(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.

4. Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/on both sides.

(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.

(ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.

5. Persistently discharging ear-operated/unoperated.

Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.

6. Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.

(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit.

7. Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.

(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.

8. Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.

(i) Benign tumours—Temporarily unfit.

(ii) Malignant Tumours—Unfit.

9. Otosclerosis

If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.

10. Congenital defects of ear, nose or throat.

(i) If not interfering with functions—Fit.

(ii) Stuttering, of severe degree—Unfit.

11. Nasal Poly

Temporarily Unfit.

(b) that his speech is without impediment.

(c) that his teeth, are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound;

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

- (c) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Screening of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination, where it is considered necessary, a skiagram should be taken.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidate may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeals should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Cabinet Sectt. (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner:—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician, (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporary Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:

1. State your name in full (block letters)
2. State your age and birth place.
2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes', state the name of the race.
3. (a) Have you ever had small pox, intermittent or any other fever-enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis? OR
- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?
4. When were you last vaccinated?
5. Have you suffered from any form of nervousness due to overwork or any other cause?
6. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at, and cause of death
Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death

7. Have you been examined by a Medical Board before ?
8. If answer to the above is 'Yes', please state what Service/Services, you were examined for ?
9. Who was the examining authority ?
10. When and where was the Medical Board held ?
11. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known,

I declare that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....

Signed in my presence.....

Signature of the Chairman of the Board

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate).....

.....Physical Examination

1. General development : Good.....fair.....
Poor.....

Nutrition : Thin.....Average.....Obese.....

Height (without shoes).....Weight.....

Best Weight.....When ?.....any recent

Change in weight ?.....Temperature.....

Girth of Chest :

(1) (After full inspiration).....

(2) (After full expiration).....

2. Skin : Any obvious disease.....

3. Eyes

(1) Any disease.....

(2) Night blindness.....

(3) Defect in Colour vision.....

(4) Field of vision.....

(5) Visual acuity.....

(6) Fundus examination.....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glass Sph. Cyl. axis.
Distant vision	R.E. L.E.		
Near vision	R.E. L.E.		

4. Ears : Inspection.....Hearing : Right Ear.....
Left Ear.....

5. Glands.....Thyroid.....

6. Condition of teeth.....

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?.....
if yes, explain fully.....

8. Circulatory System :

(a) Heart : Any organic lesions ?.....Rate

Standing

After hopping 25 times.....

2 minutes after hopping.....

(b) Blood Pressure: Systolic.....Diastolic.....

9. Abdomen: Girth.....Tenderness.....

Hernia.....

(a) Palpable: Liver.....Spleen.....

Kidneys.....Tumours.....

(b) Haemorrhoids.....Fistula.....

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities

11. Loco-Motor System : Any abnormality.....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance.....

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of Screening X-ray Examination of Chest.....

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

NOTE.—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service & Indian Statistical Service.....

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE.....

NOTE :—The Board should record their findings under one of the following three categories :

(i) Fit

(ii) Unfit on account of.....

(iii) Temporarily unfit on account of.....

Place.....Chairman

Date.....Member

Member

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

Department of Company Affairs

New Delhi-110001, the 9th July 1976

ORDER

No. 27/5/76-CL.II.—In pursuance of clause (ii) of sub-section (1) of section 209-A of the Companies Act, 1956, the Central Government hereby authorises Shri S. N. Gupta, Assistant Inspecting Officer, Office of the Regional Director, Company Law Board, Kanpur, in the Department of Company Affairs, Government of India for the purpose of the said section 209A.

B. B. BARURI, Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 9th July 1976

No. U.13019/8/76-ANL(i).—The President is pleased to make the following further amendment to this Ministry's Notification No. 1/1(2)/67-ANL(i), dated 12th January 1968 as amended in this Ministry's Notification No. U. 13019/9(i)/74-ANL, dated 3rd September 1974 relating to the Constitution of the Advisory Committee associated with the Minister of Home Affairs for the U.T. of Lakshadweep.

In paragraph 2(iii) for the existing words, the following shall be substituted :—

“Seven non-official members”.

The amendment shall take effect from 1st April 1976.

No. U.13019/8/76-ANL(ii).—The President is pleased to make the following further amendment in the rules regulating the constitution and procedure of the Advisory Council associated with the Administrator, Lakshadweep, published in the MHA Notification No. 71/36(2)(i)/57-ANL, dated 29th June 1957 and amended *vide* MHA Notification No. 1/1(1)/67-ANL, dated 6th March 1968, No. 1/1(3)/68-ANL(ii), dated 6th August 1968, No. 51/2/71-ANL(ii), dated 11th August 1971 and No. 13019/9(ii)/74-ANL, dated 3rd September 1974, namely :—

In the said rules, Rule (1) (iv) shall be substituted by the following :—

“Eleven other non-official members, one from each of the inhabited islands except Minicoy and two from Minicoy, to be nominated by the President, for a term of one year commencing from 1st of April, each year.”

The amendment shall take effect from 1st day of April 1976.

No. U.13019/8/76-ANL-(iii).—The President is pleased to nominate the following non-official members to the Advisory Committee for the Union Territory of Lakshadweep, associated with the Minister of Home Affairs, for the period upto 31st March 1977 :—

1. Shri K. Nallakoya, Androth.
2. Shri M. P. Cheriya Koya, Kavaratti.
3. Shri B. Muthukoya, Androth.
4. Shri B. Ali Manikfan, Minicoy.
5. Shri Thoopiakkal Koya, Amini.
6. Shri Pappada Mohammed Malmi, Agatti.
7. Smt. T. Saidabi, Chetlat.
8. Shri P. P. Hamza Koya, Kalpeni.

Shri B. Muthukoya will also represent the interests of Co-operative societies.

No. U.13019/8/76-ANL-(iv).—The President is pleased to nominate the following non-official members to the Advisory Council associated with the Administrator, Lakshadweep for the period upto 31st March 1977 :—

1. Miss P. P. Douloth, Androth.
2. Dr. K. K. Mohammed Koya, Kalpeni.
3. Shri S. M. K. Thangal, Kavaratti.
4. Shri Pannikkam Sheik Koya, Amini.
5. Shri C. Sayed Buhari, Bitra.
6. Shri Kunnangalam Andu Koya, Kiltan.
7. Shri K. Dom Manikfan, Minicoy.
8. Shri Palam Mohammed, Kadmat.
9. Shri B. Abdulkader, Chetlat.
10. Shri Shihabuddin Haji, Agatti.
11. Shri W. Hussain Ali, Minicoy.

K. C. PANDEYA, Jt. Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

New Delhi, the 12th July 1976

No. F.2(25)-NS/75.—The President hereby makes the following rules further to amend the Post Office (Time Deposits) Rules, 1970, namely :—

1. (1) These rules may be called the Post Office (Time Deposits) (Second Amendment) Rules, 1976;
- (2) They shall come into force on the date of publication in the Official Gazette.
2. In the Post Office (Time Deposits) Rules, 1970, after rule 11, the following rule shall be inserted, namely :—

“11.A. *Premature closure*—

- (1) A depositor may, after the expiry of a period of one year from the date of opening a Time Deposit account, seek premature closure of the account and in such cases the amount of deposit shall be repaid with interest computed as below :—
 - (a) the rate of interest payable shall be 2% below the rate applicable under rule 11, corresponding to the completed number of year for which the deposit had *actually* remained with the Post Office on the date of application for premature closure.
 - (b) interest shall be payable at the rate specified in clause (a), for the completed number of year the deposit remained with the Post Office on the date of premature closure of the account. However, if the deposit had remained with the Post Office for six months or more beyond such completed number of year, interest shall be allowed in addition for one half-year.
- (2) The amount of interest already paid on the deposit at the higher rate shall be set off against the principal and the interest payable under this rule and only the net balance shall be payable on such premature closure of the account.”

A. V. SRINIVASAN, Under Secy.

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING
(DEPARTMENT OF FAMILY PLANNING)

New Delhi, the 8th June 1976

RESOLUTION

No. 11-20/73-Trg.—It has been further decided to coopt the following additional members in the Co-ordination Committee on Bio-medical research as has been constituted *vide* Resolution No. 11-20/73-Trg, dated the 29th January, 1976 :—

13. Adviser Indigenous System of Medicine.
14. Adviser in Homocopathy.

The designation of Shri A. Chandrasekhar, Member indicated at Serial No. 2 of the Resolution may be amended to read as ‘Special Secretary’.

SERLA GREWAL, Joint Secy.
& Commissioner (FP)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF IRRIGATION)

New Delhi, the 26th June 1976

RESOLUTION

No. 44/1/76-Adm.I.—In the Ministry's Resolution No. 44/1/76-Adm.I, dated the 15th April, 1976, regarding setting up of a Committee to go into the functional and organisational aspects of the Central Water & Power Research Station, Poona;

- (i) *FOR* the existing entry at S. No. (2) in para 4, the following shall be *substituted* :—
“Shri D. B. Anand, ISF (Retd.)
Formerly Chairman, CW & P.C. Member”
- (ii) The existing entry at No. 8, in para 4, shall be *renumbered* as (10) and before this, the following shall be *added* :—

(8) Shri G. K. Dogra,
Joint Secretary,
Department of Irrigation,
New Delhi.

Member

(9) Shri S. T. Veeraraghavan,
Director (I&P),
Ministry of Finance,
New Delhi.

Member

(iii) The existing entry at No. (vi) in para 5, shall be *renumbered* as (vii) and before this, the following shall be *added* :

(vi) Examine the utilisation of Instrumentation and Equipment in the Central Water & Power Research Station.

ORDER

ORDERED that the above Resolution may be published in Gazette of India.

G. K. DOGRA, Jt. Secy.